mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-05 अंक-259 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
19 सितम्बर 2025 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारत ने ऑस्ट्रेलिया

@ पेज 7

राहुल के प्रजेंटेशन में वोटर्स डिलीट कराने का दावा: जिनके नाम कटे, उन्हें स्टेज पर बुलाया

चुनाव आयोग बोला- आरोप झूठे, नाम ऑनलाइन डिलीट नहीं होते

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को वोट चोरी पर दूसरी बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इससे पहले उन्होंने 7 अगस्त को मीडिया से बात की थी। राहुल ने 31 मिनट के प्रजेंटेशन में वोट चोरी के आरोप लगाए और सबूत दिखाने का दावा किया। उन्होंने कहा- चुनाव आयोग जानबूझकर कांग्रेस के वोटों को निशाना बना रहा है और उनके नाम डिलीट कर रहा है।

राहुल इस बार अपने साथ कर्नाटक के ऐसे वोटर्स को भी लेकर आए, जिनके नाम वोटर्स लिस्ट से डिलीट किए गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने फिर कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और यूपी में यही हो रहा है।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को गलत और निराधार बताया।

कहा- कोई भी आम नागरिक ऑनलाइन किसी का भी वोट डिलीट नहीं कर सकता। किसी का वोट डिलीट करने से पहले संबंधित व्यक्ति को अपनी बात रखने का मौका दिया जाता है।

राहुल ने कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा 2023 के चुनाव में किसी ने 6,018 वोट डिलीट करने की कोशिश की।

राहुल गांधी के दावों को चुनाव आयोग ने बताया बेबुनियाद, बीजेपी ने भी उठाए सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है वोटरों के नाम फेक लॉग-इन के जरिये डिलीट किए गए हैं.उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार वोट चोरों की रक्षा कर रहे हैं. राहुल गांधी ने दावा किया कि महिलाओं, दलितों और आदिवासियों के वोट चोरी हुए हैं और टारगेट करके कांग्रेस वोटरों के नाम डिलीट किए गए हैं. राहुल गांधी ने प्रेजेंटेशन के पहले कहा कि ये हाइड्रोजन बम नहीं है. हाइड्रोजन बम आने वाला है. यह देश के युवाओं को यह दिखाने की कोशिश की है कि चुनावों में कैसे हेराफेरी की जा रही है. इससे पहले बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि उनकी पार्टी वोट चोरी के मुद्दे पर और सबूत पेश करेगी. उन्होंने इस हाइड्रोजन बम बताया था. लेकिन चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के प्रेजेंटेशन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उनके आरोप गलत और बेबुनियाद हैं. बीजेपी ने भी राहुल के आरोपों को गलत बताया है ।

उन्होंने दिल्ली में एक प्रेजेंटेशन के दौरान कहा, मैं यहां एक दावा करने जा रहा हूं. बहुत ही मजबूत दावा. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बारे में. मैं विपक्ष के नेता के तौर पर ये कह रहा हूं. मैं ऐसे सबूत दिखाने जा रहा हूं जो बिल्कुल साफ़-साफ़ बताते हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों की रक्षा कर रहे हैं जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट कर दिया है ।

रोहतास में शाह बोले- राहुल ने घुसपैठिया बचाओ यात्रा निकाली

आरजेडी बांग्लादेशियों को बचाना चाहती है लालू-राबड़ी बिहार के विकास के लिए खतरा

रोहतास, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रोहतास में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मालिक कहकर संबोधित किया। कहा, सिर्फ बीजेपी ही ऐसी पार्टी है जहां बूथ अध्यक्ष पार्टी अध्यक्ष बन सकता है। मैं भी कभी बूथ अध्यक्ष ही था।

शाह ने कार्यकर्ताओं से पूछा, लालू जी, राबड़ी जी बिहार को समृद्ध कर सकते हैं क्या। उन्होंने कहा, ये लोग सिर्फ अपना और अपने परिवार का सोचते हैं।

उन्होंने कहा, हमें आज यहां से तय कर के जाना है कि इस क्षेत्र की 80 फीसदी सीटें हमारे पास हो। ये संकल्प लेकर हमें जाना है।

शाह ने कहा, अभी राहुल बाबा यात्रा कर के गए। क्या आपको इसका विषय पता है।

पटना में नीतीश से 30 मिनट हुई बातचीत

इससे पहले पटना के मौर्या होटल में नीतीश कुमार अमित शाह से मिलने पहुंचे। दोनों के बीच बंद कमरे में करीब 30 मिनट तक बात हुई। इस दौरान सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा हुई। नीतीश कुमार ने जहां-जहां का दौरा किया वहां के फीडबैक को लेकर चर्चा की। इसके साथ ही राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा और तेजस्वी की यात्रा को लेकर भी बात हुई। इस नीतीश के साथ बिहार बीजेपी प्रभारी विनोद तावड़े, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, भिक्षु भाई दलसनिया और संजय जायसवाल भी मौजूद रहे। सीएम नीतीश कुमार के साथ कई आला अधिकारी भी इस बैठक में शामिल हुए है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात

शांति बहाली में समर्थन का वादा दोहराया

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से बात की। इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ट्वीट किया, नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। साथ ही मैंने उन्हें और नेपाल की जनता को कल उनके राष्ट्रीय दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश, कैप्टन सभरवाल के पिता का आरोप

AAIB ने सिर्फ पायलट की गलतियां बताईं

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए कैप्टन सुमीत सभरवाल के 91 साल के पिता पुष्करराज सभरवाल ने केंद्र सरकार से हादसे की नए सिरे से जांच की मांग की है। उन्होंने एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) की प्राइमरी जांच रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए।पुष्करराज ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लेटर लिखकर कहा- मीडिया में कुछ चुनिंदा बातें लीक करके यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि कैप्टन सभरवाल बहुत ज्यादा डिप्रेशन में थे और आत्महत्या करना चाहते थे। इन बातों से कैप्टन सभरवाल की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। मेरे स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर भी बहुत गहरा असर पड़ा है।

दरअसल, AAIB ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर अपनी प्राइमरी रिपोर्ट 12 जुलाई को जारी की थी। इसमें बताया था कि फ्लाइट के दोनों इंजनों में फ्यूल सप्लाई स्विच बंद हो गए थे।

शूटरों के एनकाउंटर के बाद गैंगस्टर बोला-बदला लेंगे, माफी नहीं मिलेगी

एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर की थी फायरिंग

बरेली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग करने वाले दो शूटरों के एनकाउंटर के बाद गैंग लीडर रोहित गोदारा ने धमकी दी है। उसने फेसबुक पोस्ट पर लिखा- हमारे जो दो शूटर्स मारे गए हैं, हम इसका बदला लेंगे। ये एनकाउंटर हमारे जीवन की बहुत बड़ी क्षति है। ये ढेर नहीं, शहीद हुए हैं। हम वो काम कर सकते हैं, जिसकी ये कल्पना भी नहीं कर सकते। इसमें जिसका भी हाथ है, वो चाहे कितना भी पैसे वाला हो या पावर वाला हो, वक्त लग सकता है। माफी नहीं है। दरअसल, 11 और 12 सितंबर को बरेली में एक्ट्रेस दिशा पाटनी के घर फायरिंग हुई थी। इस मामले में यूपी एसटीएफ ने हरियाणा और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर बुधवार शाम को गाजियाबाद में दो शूटरों को एनकाउंटर में मार गिराया। इनकी पहचान हरियाणा निवासी अरुण और रविंद्र के रूप में हुई।मारे गए रविंद्र और अरुण दोनों पेशेवर शूटर थे। रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ के गैंग के सदस्य थे। दोनों पर एक-एक लाख का इनाम था।

रोहित गोदारा की धमकी- ये इंसाफ नहीं है

गुरुवार सुबह 10.22 बजे रोहित गोदारा नाम की फेसबुक से पोस्ट हुआ है। इसमें लिखा है- इन भाइयों ने धर्म के लिए अपना बलिदान दिया है। अरे कुछ तो शर्म करो। एक मुंह से तुम सनातन-सनातन चिल्लाते हो। जो सनातन के लिए लड़ाई लड़े, उसको मार दिया जाता है। ये इंसाफ नहीं है। ये जितने भी सनातन धर्म का नाम लेकर घूम रहे हैं, ये सिर्फ अपनी रोटी सेंक रहे हैं। ये एनकाउंटर नहीं, सनातन की हार हुई है। धर्म के लिए लड़ने वालों को इस हिंदुस्तान में मार दिया जाता है। अगर तुम इतने सच्चे हो तो उठाओ मुद्दा। हमारे शहीद भाइयों को इंसाफ दिलाओ। बाकी मैं पूरे देश को बता देना चाहता हूं, सनातन धर्म की आड़ में एक धंधा चला है। सभी देशवासी इनसे सावधान रहें। दरअसल, दिशा पाटनी के घर फायरिंग की जिम्मेदारी रोहित गोदारा और गोल्डी बराड़ गैंग ने ली थी। तब फेसबुक पोस्ट में लिखा था- संत प्रेमानंद महाराज और कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज पर टिप्पणी से नाराज होकर फायरिंग को अंजाम दिया गया है। यह सिर्फ एक ट्रेलर है। अगली बार ऐसी हरकत दोहराई गई तो किसी को जिंदा नहीं छोड़ा जाएगा।

इसके अलावा, 11 सितंबर को फायरिंग करने वाले शूटर बागपत निवासी नकुल और विजय अभी फरार हैं।

उराखंड के चमोली में बादल फटा

10 लोग लापता, मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स फंसे

हिमाचल में 419 मौतें; देश में अबतक 8प्रतिशत ज्यादा बारिश

नई दिल्ली/ भोपाल/ देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 10 लोग लापता हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए।

इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं।

हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है। देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक (17 सितंबर) सामान्य से 8% ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभवना है।

मौसम विभाग और ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम (GFS) के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं।

25-26 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बड़ा मानसूनी सिस्टम लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे पूर्वी-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छग, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-3 दिन तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 3 इंच तक पानी गिर सकता है।

00000000

ममता बनर्जी ने फिर संगीत में आजमाया हाथ; कोलकाता की दुर्गा पूजा समिति के लिए लिखे थीम गीत के बोल

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता की एक दुर्गा पूजा समिति के थीम गीत के बोल लिखे हैं। इस गीत को राज्य के एक मंत्री ने गाया है। उत्तरी कोलकाता स्थित ताला प्रत्तोय दुर्गा पूजा समिति ने कहा कि यह उनका शताब्दी वर्ष है। उन्हें अपने थीम गीत के गीतकार के रूप में मुख्यमंत्री को पाकर गर्व महसूस हो रहा है। उनका थीम बिज आंगन (आंगन में बीज) है। **मंत्री इंद्रनील सेन ने खूबसूरती से गाया :**आयोजकों की ओर से ध्रुबज्योति बोस सुवो ने कहा, ताला प्रत्तोय की शताब्दी मनाते हुए बिज आंगन बंगाल की विरासत दुर्गा पूजा की चिरस्थायी भावना को श्रद्धांजलि है। हमें गर्व है कि माननीय मुख्यमंत्री ने हमारे शताब्दी वर्ष के लिए यह विशेष गीत लिखा है, जिसे इंद्रनील सेन ने खूबसूरती से गाया है। **हर साल कई आयोजकों के लिए ऐसा करती हैं ममता :**पर्यटन, सूचना एवं सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री सेन ने बुधवार को थीम गीत का संगीत वीडियो लॉन्च किया। सुवो ने कहा कि जीवन के बीज प्रकृति और देवी मां के प्रतीक हैं, जो पूजा पंडाल के आंतरिक भाग, प्रतिष्ठानों और प्रांगण में स्थापित मूर्ति में प्रकट होंगे। पूजा समितियों के लिए थीम गीत लिखना मुख्यमंत्री के लिए कोई नई बात नहीं है, जो हर साल कई आयोजकों के लिए ऐसा करती हैं।

पाक-आर्मी चीफ ने सैनिकों को आतंकियों के जनाजे में भेजा:

जैश कमांडर बोला- जवानों ने वर्दी में अंतिम सलामी दी; ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए थे

इस्लामाबाद ,एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने सैन्य अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों के अंतिम संस्कार में शामिल होने का आदेश दिया था। यह खुलासा आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी ने किया है। कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहा है- ÷जनरल हेडक्वार्टर ने शहीदों को सम्मानित करने और अंतिम सलामी देने का आदेश दिया है। कोर कमांडरों को जनाजों के साथ चलने और वर्दी में उनकी सुरक्षा करने को कहा गया।÷ कुछ महीने पहले पाकिस्तानी सैनिकों की सोशल मीडिया पर एक फोटो वायरल हुई थी। इसमें सैनिक मारे गए आतंकी के अंतिम संस्कार में शामिल दिखाई दिए थे। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।लश्कर के आतंकी ठिकाने मुरीदके में पाकिस्तानी सैनिकों के लोग भारत के हमले में मारे गए आतंकियों के नमाज-ए-जनाजा में शामिल हुए थे। तस्वीर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है। लश्कर के आतंकी ठिकाने मुरीदके में पाकिस्तानी सैनिकों के लोग भारत के हमले में मारे गए आतंकियों के नमाज-ए-जनाजा में शामिल हुए थे। तस्वीर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की है।

आतंकी कैंपों और पाकिस्तानी सेना का गठजोड़ :मसूद इलियास कश्मीरी ने अपने बयान में यह भी खुलासा किया कि पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ISPR) ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और बहावलपुर के आतंकी कैंपों के बीच के संबंधों को छिपाने की पूरी कोशिश की।

मराठा आरक्षण पर दाखिल सभी याचिकाएं निराधार, हाईकोर्ट ने कहा- असली पीड़ित ओबीसी समुदाय

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को साफ किया कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठा समुदाय को कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने के फैसले के खिलाफ दाखिल जनहित याचिकाएं सुनवाई योग्य नहीं हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता असली पीड़ित पक्ष नहीं हैं, बल्कि ओबीसी वर्ग असली पीड़ से आने वाले लोगों ने इस फैसले को चुनौती दी है, जिनकी याचिकाओं पर 22 सितंबर को सुनवाई होगी।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकलाड की पीठ ने कहा कि इस चरण पर दाखिल हुई ये पीआईएल्स पूरी तरह गलत और निराधार हैं। अदालत ने कहा कि कानून में दुर्भावना का मामला केवल असली पीड़ित पक्ष ही उठा सकता है।

एनएसजी कमांडो ने बाड़मेर में दो लोगों के हाथ-पैर काटे, शराब कारोबारी की मौत

परिवार वाले धरने पर बैठे, बोले- पुलिस की लापरवाही, शव नहीं उठाएंगे

बाड़मेर, एजेंसी। शराब ठेका संचालक और दो साथियों को रास्ते में घेरकर नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (NSG) कमांडो और उसके दोस्तों ने हमला बोल दिया। इनके हाथ में तलवार और अन्य धारदार हथियार थे। तलवार से ठेका संचालक और उसके एक साथी के हाथ-पैर काट दिए। इसमें ठेका संचालक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। हमले के दौरान दूसरा साथी हाईवे से नीचे गिर गया। उसे मामूली चोटें आई हैं। मामला बाड़मेर के सदर थाना इलाके का है। उधर, मृतक के परिजन पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बाड़मेर जिला अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने कहा- पुलिस ने समय से घायलों को हॉस्पिटल नहीं पहुंचाया। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, तब तक शव का पोस्टमॉर्टम नहीं कराएंगे।

दिल्ली में पोस्टेड है :SP नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- मर्डर का मुख्य आरोपी NSG कमांडो चंपालाल है। वह दिल्ली में पोस्टेड है। उसको लेकर दिल्ली में संबंधित अधिकारियों से बात की है।

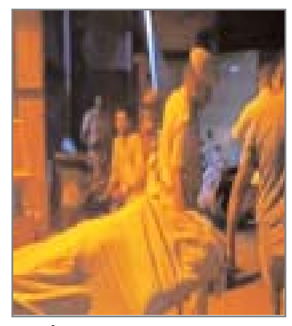

उसको पकड़ने के लिए टीमें भेजी जा रही हैं।

रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद : स्थानीय लोगों के अनुसार, बुधवार शाम को NSG कमांडो चंपालाल अपने दोस्तों के साथ बाड़मेर जिले के होडु गांव स्थित शराब ठेके पर गया था। वहां पर सेल्समैन और उनके बीच रुपए लेन-देन को लेकर कहासुनी हो गई। उस समय तो कमांडो और उसके दोस्त वहां से चले गए।

दूसरी ओर, SP नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- शराब को लेकर मामूली कहासुनी हुई। इसके बाद धारदार हथियार से हमला किया गया।

ठेके से आधा किमी आगे चलते ही घेरा :घायल वीरेंद्र कुमार ने बताया- रात को शराब ठेका संचालक खेताराम (25), हरलाल और मैं ठेका बंद करके कैंपर (जीप) से घर की तरफ जा रहे थे। ठेके से करीब आधा किमी दूर बाड़मेर-जालौर स्टेट हाईवे पर आगे बढ़े थे। तभी रात करीब 10 बजे स्कॉर्पियो और बाइक पर सवार होकर आए कमांडो चंपालाल और उसके साथियों ने गाड़ी रुकवाई।

हमें इस बात का अहसास नहीं था कि ये लोग हमारे खून के प्यासे हैं। ये लोग हमें मारने आए हैं। हम कुछ समझ पाते इससे पहले ही चंपालाल और उसके साथियों ने तलवार और अन्य धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला करने लगे।

बाढ़ के बाद दिल्ली के मच्छर कहीं नोएडा वासियों को न मार दें डंक, प्राधिकरण का पोटली बम से हमला

नोएडा, एजेंसी। दिल्ली में बाढ़ के बाद ठहरे पानी में डेंगू का लार्वा पनपने का डर है। इससे नोएडा वासियों को दिक्कत न हो, इसके लिए प्राधिकरण ने बुधवार को दिल्ली से सटे इलाकों में विशेष अभियान शुरू किया। इसके तहत वह पोटली बम फेंकवा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग व स्वास्थ्य विभाग ने आशंका जताई है कि दिल्ली के अक्षरधाम, मयूर विहार की तरफ बाढ़ का जो साफ पानी भरा है उसमें डेंगू का लार्वा पनप सकता है। शहर में भी जगह-जगह बारिश का पानी भरा है। इस पानी में मच्छर का लार्वा पनपने से रोकने के लिए प्राधिकरण पोटली बनवाकर फेंकवा रहा है। इन पोटली को प्राधिकरण के कर्मचारी पोटली बम कह रहे हैं। इसके साथ ही न्यू अशोक नगर से मयूर विहार तक में प्राधिकरण एंटी लार्वा का छिड़काव भी करवा रहा है।

संगठित कचरा संग्रहण से सड़कों और नालियों की सफाई में सुधा मामलों पर फैसला सुरक्षित रखे हुए एक महीने से ज्यादा बीतने के बावजूद फैसला नहीं सुनाया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने देश के सभी हाई कोर्ट से 31 जनवरी तक फैसला सुरक्षित रखे गए मामलों के लंबित होने पर एक महीने में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

क्या है पोटली में : पोटलियों में बालू व मिट्टी में पाइरिप्रोक्सीफेन 0.50 कीटनाशक पाउडर मिलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इस पोटली भरे पानी की सतह पर किसी भी कीट का लार्वा नहीं पनपता है। इसलिए पोटलियां तैयार कर जगह-जगह पानी में डलवाई जा रही हैं। बुधवार को टीम दिल्ली के लिए अलग से लगाई गई।

12 टीमें कर रहीं एंटी लार्वा का छिड़काव: 12 टीमें पूरे शहर में एंटी लार्वा छिड़काव के लिए लगाई गई हैं। अब तक शहर में डेंगू के मरीज 271 से ज्यादा सामने आ चुके हैं। 2024 में 500 मरीज मिले थे। 2023 में डेंगू मरीजों का आंकड़ा 950 तक पहुंच गया था।

जिले में डेंगू के 13 मरीज मिले : जिले में बुधवार को डेंगू के 13 नए मामले सामने आए लेकिन इनमें से पांच के पता गलत निकला। दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया जबकि तीन ने फोन नहीं उठाया। इससे मलेरिया विभाग की टीम उनके घरों तक नहीं पहुंच पाई और जरूरी एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव नहीं हो सका। इस साल अब तक 284 डेंगू मरीज मिल चुके हैं।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इन सभी मरीजों की जांच नोएडा के जिला अस्पताल में की गई थी।

जैसे ही मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई वैसे ही विभाग की टीम मरीजों के पते पर पहुंची। इस दौरान पता चला कि पांच मरीजों का पता गलत है। हालांकि इनमें से दो मरीजों ने फोन पर सही पता बताया। जिला मलेरिया अधिकारी श्रुति कीर्ति वर्मा ने बताया कि तीन मरीजों से संपर्क नहीं हो पाया है। टीम लगातार प्रयास कर रही है कि किसी तरह उनसे संपर्क हो सके ताकि दवा का छिड़काव और निगरानी की जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने अपील की है कि यदि डेंगू की जांच करवा रहे हैं तो अस्पताल में अपना सही पता और फोन नंबर जरूर दर्ज कराएं।

ईवी सब्सिडी की लंबित राशि वाहन मालिकों को जल्द होगी जारी, नई नीति पर हो रहा है काम

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदने वालों को सब्सिडी का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। परिवहन विभाग ने लंबित आवेदनों के सत्यापन और बकाया राशि जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन विभाग करीब 140 करोड़ रुपये की लंबित राशि उचित जांच के बाद उपभोक्ताओं को देगा। इसके लिए विभाग जल्द ही पोर्टल भी लॉन्च करेगा।पिछले एक साल से उपभोक्ताओं को सब्सिडी न मिलने से बड़ी संख्या में आवेदन लंबित पड़े हैं। दिल्ली परिवहन विभाग के अधिकारी ने बताया कि गैर-भुगतान की वजह से बड़ा बैकलॉग और भारी लंबितता बन गई है। यह स्थिति तब बनी जब 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद कैबिनेट बैठक नहीं हो सकी और ईवी नीति का विस्तार रुक गया। ऐसे में जिन उपभोक्ताओं ने ईवी खरीदने के बाद सब्सिडी के लिए आवेदन किया था, उन्हें लाभ नहीं मिला। अब विभाग सभी लंबित आवेदनों की जांच कर योग्य उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि जारी करेगा।

छह बार बढ़ाई गई ईवी नीति : दिल्ली की ईवी नीति पहली बार अगस्त 2020 में लागू हुई थी। इसे तीन साल के लिए बनाया गया था। दिसंबर 2023 तक नीति बढ़ाने के बाद इसे जनवरी 2024 में दोबारा बढ़ाने का प्रस्ताव था। नई बनी भाजपा सरकार ने इसे अप्रैल 2024 में 15 दिन के लिए और फिर एक साल के लिए बढ़ाया। अब तक इसे छह बार बढ़ाया जा चुका है। जब तक कि नई ईवी पॉलिसी 2.0 तैयार न हो जाए। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2020 से अगस्त 2024 तक दिल्ली में 2,10,618 इलेक्ट्रिक वाहन बिके। इस साल अब तक दिल्ली में ईवी बिक्री का हिस्सा 10.71 प्रतिशत रहा है। जबकि 2023 में यह आंकड़ा 11.02 प्रतिशत था। 2025 में अब तक कुल 5,20,870 वाहनों का पंजीकरण हुआ है। सरकार ने दोपहिया वाहनों के लिए 63.78 करोड़ रुपये, तीनपहिया के लिए 100.37 करोड़ रुपये और चारपहिया के लिए 13.19 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि 2020 से 2023 के बीच वितरित की है।

नई ईवी नीति पर हो रहा काम: परिवहन विभाग नई ईवी नीति 2.0 तैयार करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। इस समिति की अध्यक्षता बिजली मंत्री आशीष सूद कर रहे हैं। समिति का उद्देश्य दिल्ली को ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाए रखना और चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। सरकार का दावा है कि सब्सिडी वितरण और नई नीति के लागू होने के बाद इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में और तेजी आएगी।

युवक पर चाकू से हमले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित त्रिलोकपुरी इलाके में रंजिशन रोहित उर्फ चिंटू पर चाकू से हमले के मामले में तीन आरोपियों राजीव उर्फ खुशी, विजय और आकाश उर्फ तालीबान को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया, छानबीन में पता चला कि आरोपी राजीव के भाई निहाल से 12 सितंबर को रोहित का झगड़ा हुआ था। 13 सितंबर को रोहित अपने दोस्त शिवम और लकी के साथ 22 ब्लॉक के पार्क में मौजूद था। इस बीच चार आरोपी राजीव, विजय, आकाश और अनिकेत वहां पहुंचे। शिवम व लकी तो मौके से भाग गए, लेकिन आरोपियों ने रोहित को घेरकर कई चाकू मार दिए। आरोपी अनिकेत उर्फ शूटर अभी फरार है।

1559 खोए व चोरी के मोबाइल लौटाए, एलजी ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में आयोजित समारोह में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 1559 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए। इस अवसर पर उन्होंने 13 नेकदिल लोगों, जिनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। साथ ही, 22 पुलिस अधिकारियों को उनकी बहादुरी, करुणा और समर्पण के लिए सम्मानित किया। दिल्ली पुलिस ने वर्ष 2025 में अब तक 6432 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें से 3589 फोन उनके असली मालिकों को सौंपे जा चुके हैं। पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) देवेश चंद्र श्रीवास्तव ने केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन रिकवरी की प्रक्रिया पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी रेंज) संजय जैन की तरफ से धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दिल्ली सरकार की वायु प्रदूषण रोकथाम के लिए नई कार्य योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने आगामी शीतकाल में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। हर साल अक्तूबर के बाद राजधानी में हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ती हैं। इसे देखते हुए सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। ऐसे में पर्यावरण एवं वन विभाग के मंत्री की अध्यक्षता में शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्कूलों के लिए शीतकालीन कार्य योजना को अंतिम रूप दिया गया। इस योजना के तहत निम्नलिखित कदम उठाए जाएंगे। इसमें स्कूलों के खुले क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा। स्कूलों में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। स्कूलों में उपयोग में न होने वाली लाइटों और अन्य बिजली उपकरणों को बंद करने की आदत को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, पटाखों के उपयोग से होने वाले प्रदूषण के प्रति छात्रों और अभिभावकों को जागरूक किया जाएगा। यही नहीं, सभी स्कूलों में प्रभावी और कुशल वेंटिलेशन सिस्टम स्थापित किए जाएंगे।वहीं, ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) के तहत वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों को लागू करने के लिए स्कूलों को जागरूक और प्रशिक्षित किया जाएगा।

सिद्धार्थ विहार प्रतीक ग्रांड सोसायटी में बवाल, करोड़ों की संपत्ति जलमग्न, बिल्डर के खिलाफ मुकदमा

गाजियाबाद, एजेंसी। सिद्धार्थ विहार स्थित प्रतीक ग्रांड सोसायटी में जारी निर्माण कार्य में बिल्डर्स की लापरवाही उजागर हुई है। इस लापरवाही से सोसायटी में रहने वाले करीब दो हजार लोगों की करोड़ों की संपत्ति बेसमेंट में भरे गंदे पानी में जलमग्न हो गई। नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और महापौर सुनीता दयाल के निर्देश पर आवास विकास परिषद के अवर अभियंता योगेंद्र कुमार गुप्ता ने प्रतीक ग्रांड सोसायटी के बिल्डर प्रशांत तिवारी और कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी कविनगर रितेश त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को प्रतीक ग्रांड सोसाइटी के बेसमेंट में निर्माण कार्य चल रहा था। गड्ढा खोदने के दौरान गंगाजल प्लांट की दीवार ढह गई और नाले की दीवार क्षतिग्रस्त होने से सोसाइटी के बेसमेंट में नाले का गंदा पानी भर गया। बेसमेंट में तीन दर्जन से अधिक कार, बाइक व अन्य वाहन खड़े थे। बेसमेंट में गंदा पानी भरने से सोसायटी में रहने वाले लोगों की करोड़ों की संपत्ति जलमग्न हो गई। इस मामले में विजयनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

एनबीडब्ल्यू लेकर घोषित बदमाश को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में सोमवार शाम घोषित बदमाश आजम को पकड़ कर ले जा रही पुलिस पर हमला करते हुए उसके परिजनों ने उसे छुड़ा लिया। इस दौरान पुलिस के वाहनों में भी तोड़फोड़ की गई। हमले में चार पुलिस कर्मी राहुल, प्रदीप, हरी सिंह व समय सिंह घायल हो गए। उन्हें एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। दक्षिण जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार चांदनहौला, फतेहपुर बेरी निवासी आजम खान के खिलाफ रॉबरी के पुराने मामले में गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी है। फतेहपुरबेरी थाने में तैनात छह से सात पुलिसकर्मी सोमवार शाम को वारंट की तामील करने आजम के घर पहुंची। पुलिस टीम जब उसे हिरासत में लेकर जाने लगी तभी बदमाश आज़म और घर की महिलाओं समेत अन्य परिजनों ने विरोध शुरू कर दिया। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर धावा बोल दिया। आरोप है कि परिजनों ने पुलिस के साथ हाथापाई की और उनके साथ धक्का-मुक्की कर उन्हें घायल कर दिया। इसी अफरातफरी में आज़म मौके से भाग निकला। लोगों ने पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि आरोपी और उसके परिजनों पर सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस पर हमला करने, हत्या का प्रयास और अपराधी को फरार कराने का केस दर्ज किया गया है। कई तरह से फायदेमंद होगी यह योजना कचरे का स्थायी निपटान और नई डंपिंग साइटों की जरूरत में कमी जहरीली गैसों सहारा आरोपी व उसके परिजनों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस के मुताबिक आजम पर चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक गतिविधियों से जुड़े मामले दर्ज हैं। पुलिस काफी समय से उसकी तलाश कर रही थी।

ठोस कचरे का होगा स्थायी समाधान, गृहमंत्री अमित शाह ने किया परियोजनाओं का शिलान्यास

नई दिल्ली,एजेंसी। राजधानी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक ठोस कचरे का स्थायी समाधान होगा। नरेला-बवाना में तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाला वेस्ट टू एनर्जी प्लांट और ओखला प्लांट में एक हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता के विस्तार के साथ दिल्ली में कचरे के निपटान व ऊर्जा उत्पादन दोनों में बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की ओर से बुधवार को दोनों परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। नरेला-बवाना में प्रस्तावित प्लांट की क्षमता तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन होगी जिसे दिसंबर-2027 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। दिल्ली में रोजाना लगभग 11,000 टन ठोस कचरा निकलता है। इस प्लांट के संचालन में आने से करीब 27 प्रतिशत कचरे को सीधे ऊर्जा उत्पादन में बदला जा सकेगा। इससे भलस्वा, गाजीपुर और ओखला जैसी लैंडफिल साइटों पर दबाव घटेगा जहां फिलहाल कचरे के पहाड़ न केवल बदबू और जहरीली गैस फैला रहे हैं बल्कि जलभराव व मच्छरजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहे हैं। इनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। वहीं लाखों लोग घायल हो गए हैं। इस्राइली सेना ने पिछले कुछ दिनों में गाजा सिटी पर 150 से ज्यादा हवाई और तोपखाने के हमले किए हैं। कई ऊंची इमारतें और आवासीय इलाके पूरी तरह तबाह हो गए हैं। सेना का कहना है कि ये इमारतें हमास द्वारा अपने सैनिक कामकाज के लिए इस्तेमाल की जा रही थीं। ईरान में इस्राइल के लिए जासूसी के शक पर हुई फांसी, कार्यकर्ताओं का आरोप- प्रताड़ित भी किया गया ।

ओखला प्लांट का विस्तार ओखला वेस्ट टू एनर्जी प्लांट की क्षमता भी बढ़ाई जा रही है। वर्तमान में करीब दो हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाला यह प्लांट एक हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन की अतिरिक्त क्षमता के साथ करीब तीन हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंच जाएगा। परियोजना के लिए लगभग 15 एकड़ भूमि का उपयोग किया जाएगा। ओखला प्लांट के विस्तार से न केवल दक्षिणी दिल्ली बल्कि पूरे एनसीआर में कचरे का दबाव कम होगा। इस प्लांट से भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा का उत्पादन होगा जिससे दिल्ली की बिजली जरूरतों को आंशिक सहारा मिलेगा। छह हजार मीट्रिक टन कचरा निस्तारित होगा नरेला-बवाना और ओखला प्लांट विस्तार को मिलाकर दिल्ली में लगभग छह हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन कचरे को वैज्ञानिक रूप से निस्तारित करने की क्षमता विकसित हो जाएगी। यह राजधानी के कुल ठोस कचरे का लगभग आधा हिस्सा होगा। इन परियोजनाओं से दिल्लीवासियों को साफ-सुथरा माहौल, प्रदूषण में कमी, बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी और लैंडफिल साइटों से राहत जैसे लाभ मिलेंगे।

नेपाल हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 73, 12 नरकंकाल की पहचान नहीं हो पाई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में नौ सितंबर को हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में भाटभटेनी सुपरस्टोर के तीन अलग-अलग आउटलेट्स पर मिले मानव कंकाल की पहचान नहीं हो पाई है। अब तक 12 ऐसे शव हैं, जिनका सिर्फ कंकाल ही मिल पाया है। इस बीच जेन-जी आंदोलन के दौरान मरने वालों की संख्या 73 तक पहुंच गई है। पुलिस ने बताया है कि 12 कंकाल पहचान इसलिए नहीं हो पाई, क्योंकि किसी ने भी अपने रिश्तेदारों की गुमशुदगी की सूचना नहीं दी है। सरकार ने आंदोलन में मारे गए लोगों को शहीद घोषित करने और मुआवजा देने का फैसला किया है। पुलिस के अनुसार, नौ सितंबर को चूचेपाटी स्थित भाटभटेनी सुपरस्टोर में सात कंकाल, 10 सितंबर को सुनसरी स्थित धरान सुपरस्टोर में चार कंकाल और उसी दिन विराटनगर स्थित आउटलेट में एक कंकाल मिला था। पुलिस के अनुसार, अगर कोई अपने किसी रिश्तेदार के लापता होने की सूचना देता है तो डीएनए परीक्षण से उसकी पहचान आसान हो जाती है। नेपाल पुलिस के केंद्रीय प्रवक्ता और डीआईजी बिनोद घिमिरे ने कहा, सभी कंकाल का डीएनए परीक्षण जरूरी है। अगर लोग पुलिस से संपर्क कर अपने परिजनों के लापता होने का दावा करते हैं तो डीएनए परीक्षण कराया जाएगा। अभी तक इस सिलसिले में कोई भी आगे नहीं आया है। जेन-जी आंदोलन के दूसरे दिन नौ सितंबर को भटभटेनी सुपरस्टोर की कई दुकानों में आग लगाकर लूटपाट की गई थी। इस डिपार्टमेंटल स्टोर के बयान में कहा गया है कि नष्ट की गई दुकानों की सफाई के दौरान तीन एक नोटिस जारी कर परिजनों से संपर्क करने को कहा है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और परिवार के नौ सदस्य चुनाव में नहीं कर पाएंगे मतदान

ढाका (बांग्लादेश), एजेंसी। देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्य अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग ने इन सभी के राष्ट्रीय पहचान पत्रों (एनआईडी) को ब्लॉक कर दिया है।

तुर्किये के सार्वजनिक प्रसारक टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फरवरी में होने वाले अगले संसदीय चुनाव में देश के अंदर और बाहर दोनों जगह मतदान होगा। विदेश में रहने वाले लोग पहली बार ऑनलाइन पंजीकरण कराएंगे और डाक सुविधा के जरिए वोट डालेंगे।

आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने साफ किया है कि अगर विदेश में रहने वाले बांग्लादेशियों के एनआईडी ब्लॉक कर दिए गए हैं तो वे वोट नहीं डाल पाएंगे। अप्रैल में अंतरिम सरकार के निर्देश के बाद आयोग ने हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के एनआईडी को अवरुद्ध कर दिया था। अहमद ने कहा कि विदेश से वोट देने के लिए एनआईडी नंबर का इस्तेमाल करके ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। इसके लिए पासपोर्ट पर्याप्त नहीं है बल्कि एनआईडी होना अनिवार्य होगा। केवल एनआईडी के साथ पंजीकरण कराने वालों को ही मतदान करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि हसीना और उनके परिवार के सदस्य अगले चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त, 2024 को एक जन विद्रोह में अपनी सरकार के अपदस्थ होने के बाद से हसीना भारत में निर्वासन में हैं। उनके परिवार के सभी सदस्य अमेरिका और ब्रिटेन सहित अन्य देशों में भी रह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस विद्रोह में 1,400 लोग मारे गए। हसीना बांग्लादेश में कई मामलों का सामना कर रही हैं। इनमें सामूहिक हत्या के आरोप भी शामिल हैं। थेम्स वैली पुलिस ने बताया कि महल पर ट्रंप और एपस्टीन की तस्वीरें दिखाई देने के बाद मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। सीएनएन न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप विरोधी प्रदर्शन मंगलवार शाम शुरू हो गए।

चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर ट्रंप दे रहे विभाजन को बढ़ावा: पूर्व राष्ट्रपति ओबामा

वाशिंगटन (अमेरिका), एजेंसी। देश के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप और उनके सहयोगी रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या का राजनीतिक इस्तेमाल कर विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। यह लोग नहीं चाहते कि किर्क के विचारों पर बहस हो। ओबामा ने यह टिप्पणी मंगलवार को पेंसिल्वेनिया के एरी में आयोजित जेफरसन एजुकेशनल सोसाइटी के 17वें वार्षिक वैश्विक शिखर सम्मेलन में की।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ओबामा ने कहा कि हाल के दिनों में ट्रंप की अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर किए गए हमलों और किर्क की हत्या के बाद अपने विरोधियों को दबाने के लिए कठोर कार्रवाई की धमकियों ने देश में तनाव बढ़ा दिया है। ओबामा ने कहा, जब मैं वर्तमान राष्ट्रपति और उनके सहयोगियों को भी सुनता हूं तो कोफ्त होती है। यह लोग अपने राजनीतिक विरोधियों को कीड़ा कहते हैं। यह एक व्यापक समस्या की ओर इशारा करता है।

पिछले हफ्ते यूटा में एक विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। ओबामा ने किर्क की मौत को भयावह और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को किर्क के विचारों पर बहस करने का अधिकार होना चाहिए। ओबामा ने कहा, चाहे हम डेमोक्रेट हों, रिपब्लिकन हों या स्वतंत्र। हमें यह स्वीकार करना होगा कि दोनों पक्षों में निस्संदेह ऐसे लोग हैं जो अतिवादी हैं और जो ऐसी बातें कहते हैं जो मेरे अनुसार अमेरिका के मूल मूल्यों के विपरीत हैं।

ओबामा ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ लड़ने के डेमोक्रेट्स के प्रयासों पर ध्यान दिया। उन्होंने टेक्सास के डेमोक्रेटिक विधायकों का उत्साहवर्धन भी किया।उन्होंने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के कैलिफोर्निया के मानचित्रों को पुनः तैयार करने के रिपब्लिकनों का मुकाबला करने के प्रयास की भी सराहना की। ट्रंप के लंदन के स्टैनस्टेड हवाई अड्डे पर उतरते ही प्रदर्शनकारी राजधानी के मध्य में स्थित ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत के आधिकारिक निवास, विनफील्ड हाउस की ओर बढ़े। लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुसार लगभग 5,000 लोगों ने राजधानी में मार्च किया।

तालाब सफाई से शुरू हुआ 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान, नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली

पौधारोपण और पीएम आवास योजना गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। चुरहट नगर परिषद ने गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन आयोजनों में स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति रैली, पौधारोपण और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश शामिल थे, जिससे नगर में जागरूकता और उत्साह का माहौल बना।

तालाब सफाई से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश: कार्यक्रम की शुरुआत गुलबसपुर तालाब (वार्ड क्रमांक 1) की साफ-सफाई से हुई, जहां पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके बाद नगर परिषद कार्यालय से नेहरू तिराहे तक नशा मुक्ति और स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने नशा छोड़ो, स्वच्छता अपनाओ जैसे नारों के साथ समाज में सकारात्मक संदेश दिया।

पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का लिया संकल्प: इसी क्रम में, अमृत हरित महाअभियान के तहत वार्ड क्रमांक 6 में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों को पौधों के संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प दिलाया गया।कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित परिवारों का गृह प्रवेश रहा। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित समस्त कर्मचारी दल और आम नागरिकों की उपस्थिति में लाभार्थियों को उनके नए आवास में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर उन्हें नारियल, श्रीफल और गणेश जी की प्रतिमा भी भेंट की गई।चुरहट नगर पालिका अधिकारी आनंद पांडे ने बताया कि दिन भर चले इन कार्यक्रमों में सभी स्टाफ मौजूद रहा, जिसमें साफ-सफाई, वृक्षारोपण और गृह प्रवेश जैसे कई आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुए।इस मौके पर राममिलन विश्वकर्मा (वार्ड 03) और उर्मिला पाण्डेय (वार्ड 03) सहित कई हितग्राहियों ने अपने सपनों के घर में प्रवेश किया।

कई वार्ड से नहीं उठ रहा कचरा, 1.3 करोड़ रुपए लेने के बाद भी कंपनी काम नहीं कर रही; उपायुक्त ने मानी लापरवाही

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। नगर निगम से स्वच्छता के लिए हर महीने 1 करोड़ 30 लाख रुपए का भुगतान पाने वाली सीटा डेल कंपनी पर काम में लापरवाही बरतने का आरोप लगा है। नगर पालिक निगम की सहायक आयुक्त और नोडल अधिकारी स्वास्थ्य रूपाली द्विवेदी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि कंपनी कई मोहल्लों से कचरा नहीं उठा रही है।

यह खुलासा तब हुआ, जब रूपाली द्विवेदी स्वच्छता पखवाड़े के दूसरे दिन वार्ड नंबर 28 में स्वच्छता अभियान चलाने पहुंचीं। उन्होंने स्थानीय लोगों और सफाई कर्मियों की मौजूदगी में माइक पर कहा कि मोहल्ले में प्रवेश करते ही उन्हें कचरे का ढेर दिखा, जिससे स्पष्ट होता है कि यहां कचरा उठाने वाली गाड़ी नहीं पहुंच रही है। सहायक आयुक्त ने स्थानीय लोगों से इस संबंध में शिकायत करने की बात कही। उनका सार्वजनिक रूप से कंपनी की लापरवाही स्वीकार करने का एक वीडियो भी सामने आया है। रूपाली द्विवेदी ने तुरंत कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं।

कंपनी के मैनेजर ने कहा- दो दिन से गाड़ी की समस्या थी: इस मामले में कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर रवींद्र सिंह ने बताया कि गाड़ी की समस्या के कारण दो दिन से कचरा नहीं उठाया जा सका था। उन्होंने दावा किया कि अब व्यवस्थाएं ठीक कर ली गई हैं और भविष्य में कोई लापरवाही नहीं होगी। इस दौरान सहायक आयुक्त ने स्थानीय वार्ड वासियों और सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान भी चलाया।

नो एंट्री में घुसे वाहनों के चालान काटे, कोयला ढो रहे 21 ट्रेलरों पर 10.92 लाख रुपए का जुर्माना

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने प्रतिबंधित समय में कोयला परिवहन कर रहे 21 ट्रेलरों पर कार्रवाई की है। इन ट्रेलरों पर कुल 10 लाख 92 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई यातायात नियमों की अवहेलना करने पर की गई है।

यातायात थाना प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को कोयला परिवहन में लगे वाहनों की रूट चेकिंग की गई। इस दौरान पाया गया कि कोल ट्रांसपोर्टर समय बचाने के लिए निर्धारित प्रतिबंधित समय में कोयले का परिवहन कर रहे थे।

बैढ़न, बरगवां और परसोना मार्गों पर कोयला परिवहन के लिए पहले से ही समय निर्धारित किया गया है। सभी ट्रांसपोर्टरों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, बावजूद इसके वे नियमों का उल्लंघन कर रहे थे।

22 तक चलेगा अभियान: दीपेंद्र सिंह ने यह भी बताया कि 8 सितंबर से 22 सितंबर तक यातायात पुलिस का विशेष अभियान चल रहा है। इस अभियान के तहत अब तक 1950 वाहनों पर कार्रवाई की जा चुकी है, जिनसे कुल 10 लाख 92 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया है। पुलिस लगातार लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक कर रही है।

सांसद ने चुरहट अस्पताल का निरीक्षण किया, प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर में 19 लोगों ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार को नगर परिषद चुरहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एक विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें ब्लड बैंक की गाड़ी के माध्यम से 19 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।

कार्यक्रम में सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सांसद ने मरीजों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और अस्पताल में मौजूद विभिन्न मशीनों तथा उपकरणों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुछ मशीनों में तकनीकी खराबी पाई, जिस पर सांसद ने बीएमओ डॉ. प्रेरणा त्रिपाठी को तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

सांसद डॉ. मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा और स्वच्छता पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में चुरहट में यह रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि यह जरूरतमंदों का जीवन बचाने के लिए सबसे बड़ा सामाजिक कार्य है।

उन्होंने अधिकारियों को अस्पताल की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चलाने के लिए तत्परता से काम करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सभी डॉक्टर, स्टाफ और जिला प्रशासन के अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इनमें मुख्य रूप से एसडीएम शैलेंद्र द्विवेदी, जनपद सीईओ राजीव तिवारी, तहसीलदार रामपुर नैकिन, महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवानंद शुक्ला, वन परीक्षेत्र अधिकारी नवीन सिंह बघेल, एसडीओपी आशुतोष द्विवेदी तथा थाना प्रभारी दीपक बघेला सहित पुलिस बल शामिल था।

संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय नेताओं का वर्धा से विदर्भ का दौरा जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता किसानों के मुद्दों को केंद्र में लाने और विदर्भ में आत्महत्याओं के खिलाफ निर्णायक लड़ाई छेड़ने के लिए विदर्भ का दौरा कर रहे हैं। यह दौरा महात्मा गांधी के सेवाग्राम से शुरू हुआ। किसान नेता राकेश टिकैत, डॉ. अशोक धावले, और विजू कृष्णन सहित 23 राष्ट्रीय नेताओं का यह दौरा तीन दिनों का होगा। इस दौरान किसान परिवारों से बातचीत, कपास किसानों के साथ बैठकें, और जनसभाएँ आयोजित की जाएंगी।

प्रतिनिधिमंडल ने नागापुर गाँव में आत्महत्या करने वाले किसान परिवार से मुलाकात की। वर्धा में हुई बैठक में किसानों की पूर्ण ऋण माफी, कृषि उपज का उचित मूल्य, और भूमि अधिग्रहण का विरोध जैसी मांगों पर चर्चा की गई। किसान नेता शिव सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं को लेकर मोर्चा जल्द बड़ी लड़ाई का निर्णय लेगा।

बैकुंठपुर में नए तालाब पर पितरों और पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बैकुंठपुर वासी सनातन धर्म के अनुसार अपने पितरों और पूर्वजों को स्मरण करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। इस अवधि को सोलह श्राद्ध या महालय पक्ष कहा जाता है, जिसका उद्देश्य पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है। राम-सीता-लक्ष्मण ने भी मंदाकिनी और गोदावरी नदी के तट पर दशरथ और अन्य पितरों का पिंडदान किया था, यह परंपरा रामायण काल से चली आ रही है। बैकुंठपुर के नए तालाब पर पुरोहित पंडित नरेश त्रिपाठी जी ने विधि विधान से पितरों को याद किया। इस अवसर पर छेदी लाल ताम्रकार, बृजेश गुप्ता, पार्षद बीरेंद्र सोनी, ओमप्रकाश गुप्ता, और नगर के कई लोग पिंडदान और तर्पण में सम्मिलित हुए।

नकली पुलिसकर्मी ग्रामीणों से कर रहा अवैध वसूली

थाना प्रभारी बोले- वीडियो में दिख रहा व्यक्ति पुलिस विभाग में नहीं, ग्राम रक्षा समिति का पूर्व सदस्य है

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली के बरका इलाके में गुरुवार को एक नकली पुलिसकर्मी की करतूत का वीडियो सामने आया है। वीडियो में कथित नकली पुलिसकर्मी फोन पर गाली-गलौज करते हुए एक व्यक्ति को झूठे चोरी के केस में फंसाने और मारपीट करने की धमकी देता हुआ सुनाई दे रहा है। इतना ही नहीं, उसने बातचीत के दौरान 200 रुपए की अवैध मांग भी की।

सरई थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह भदौरिया ने बताया कि वीडियो की जांच में पता चला है कि इसमें दिखाई दे रहा व्यक्ति लालजी जायसवाल है, जो बरका इलाके का निवासी है। वह पुलिस विभाग में पदस्थ नहीं है। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि वह पहले ग्राम रक्षा समिति का सदस्य था। फिलहाल समिति से उसका कोई संबंध नहीं है। आशंका है कि उसने पहले मिली वर्दी का दुरुपयोग किया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि बरका चौकी में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है और उस पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय ग्रामीण मिथिलेश जायसवाल ने बताया कि

लालजी जायसवाल लंबे समय से इलाके में पुलिसिया धौंस दिखाकर लोगों से अवैध वसूली करता है। वह गाली-गलौज और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर पैसे ऐंठता है। ग्रामीणों ने कहा कि उसकी हरकतों से लोग परेशान हैं।

अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर जब्त, लोगों ने पुलिस पर लगाया माफिया से मिलीभगत का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। झींक बिजुरी चौकी क्षेत्र में बुधवार देर रात पुलिस ने अवैध रेत का उत्खनन कर परिवहन करते ट्रैक्टर जब्त किया है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया। कार्रवाई घुनघुटा बुढ़ा नाला से रेत के अवैध परिवहन की सूचना मिलने के बाद की गई।

पुलिस के अनुसार, जब टीम मौके पर पहुंची, तो ट्रैक्टर चालक पुलिस को देखकर भाग गया। पुलिस ने रेत से लदे ट्रैक्टर को जब्त कर झींक बिजुरी चौकी में खड़ा कर दिया है। स्थानीय निवासी रमेश ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उनका कहना है कि क्षेत्र में रात में कई ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत का उत्खनन और परिवहन करते हैं, जिसकी जानकारी पुलिस को होती है। रमेश ने दावा किया कि चौकी प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मी इस अवैध गतिविधि में शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों से शिकायत के बाद केवल एक ट्रैक्टर जब्त किया गया, जबकि मौके से कई अन्य वाहनों को प्रभारी के कहने पर भगा दिया गया।

इसी बीच, गोहपारू थाना क्षेत्र में भी दिनदहाड़े रेत चोरी की खबरें सामने आई हैं। सूत्रों के अनुसार, ग्वालियर का एक पुलिसकर्मी, जो गोहपारू में पदस्थ है। शर्मा और अन्य पुलिसकर्मियों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार चल रहा है।

प्रभारी मंत्री का सीधी दौरा कार्यक्रम जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सत्कार अधिकारी ने जानकारी दी है कि राज्यमंत्री कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग (स्वतंत्र प्रभार), मध्यप्रदेश शासन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल दिनांक 19 सितम्बर 2025 को सीधी जिले के दौरे पर रहेंगे। दौरा कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री जायसवाल प्रातः 10 बजे सर्किट हाउस, सीधी पधारेंगे। तत्पश्चात प्रातः 11 बजे सर्किट हाउस से बहरी के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री जायसवाल दोपहर 12 बजे बहरी पहुंचकर मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात प्रभारी मंत्री जायसवाल बहरी, जिला सीधी से बिजुरी, जिला अनूपपुर हेतु प्रस्थान करेंगे।

अन्तर्राष्ट्रीय बांस दिवस पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मिट्टी के कटाव एवं पर्यावरण संरक्षण में बांस की अहम भूमिका

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत मझौली के सभागार में हरित भारत फंड परियोजना अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन जिला पंचायत सीधी एवं इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय बांस दिवस पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत चमराडोल के सरपंच बृजेश चंद्र सिंह तिवारी ने कहा कि बांस की खेती किसानों की आय वृद्धि का सशक्त माध्यम है। यह न केवल आजीविका को सुदृढ़ करता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने, पर्यावरण संरक्षण और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनपद पंचायत मझौली के अरविंद कुमार तिवारी ने बताया कि सीधी जिले में बांस की अपार संभावनाएं हैं। यहां की विशेष समुदाय अभी भी बांस से खिलौने, डस्टबिन, गुलदस्ता स्टैंड और अनेक उपयोगी वस्तुएं बनाकर बाजार में बेच रहे हैं। यदि इन्हें उचित प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन मिले तो यह अपने जिले और गांव में रहकर ही बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से बांस की खेती अपनाने की अपील की और बताया कि सरकार इसके लिए अनुदान भी उपलब्ध करा रही है। इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के जिला परियोजना प्रबंधक हिमांशु भारद्वाज ने परियोजना की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि बांस की खेती से महिलाओं के उत्पादक समूहों की आजीविका में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है और जंगलों को संरक्षित रखकर स्थायी आय सृजन किया जा सकता है।

उत्पादक समूह के सदस्य रामनरेश सिंह और ललोहर सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहली बार उन्हें बांस की उपज का एक साथ और उचित मूल्य मिला। उन्होंने अन्य किसानों से भी बांस की खेती करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत सरपंचों, सचिवों, उत्पादक समूह के सदस्यों एवं कृषकों को बांस की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांस के पौधे वितरित किए गए।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संजीव सिंह गहरवार, अरुण कुमार गौतम, स्वामी शरण कुशवाहा, राजीव जायसवाल, राजबहोर दीवान, अनीता गुप्ता सहित परियोजना क्षेत्र के 10 ग्रामों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, उत्पादक समूह की महिलाएं एवं लाभान्वित कृषक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में सेवा पखवाड़ा अभियान का दूसरा दिन पौधारोपण कार्यक्रम के साथ सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के द्वितीय दिवस पर महाविद्यालय परिवार ने अपने गोद ग्राम स्थित साईं ज्योति पब्लिक स्कूल में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार सिंह ने पौधारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है, इसलिए हर व्यक्ति को पौधारोपण को अपनी जिम्मेदारी मानना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण चेतना और जागरूकता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. अंकिता सोनी रहीं, जिन्होंने अपने सक्रिय निर्देशन में कार्यक्रम का सफल संचालन किया। वहीं संस्था के डायरेक्टर नरेंद्र सिंह बघेल ने समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कराने का आग्रह किया। महाविद्यालय के प्राचार्य, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। सभी की सामूहिक भागीदारी से यह संदेश गूंजा कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सेवा भाव जीवन का मूल आधार है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने संकल्प लिया कि वे सेवा पखवाड़ा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे।

विकास का दिशाभ्रम

संपादकीय

फटते बादलों, निरंतर बारिश का तांडव और जल निकासी की लाचारी में हिमाचल की बदहवासी का वर्णन अब उद्घाटन के पत्थर भी बयान कर रहे हैं। सोन खड्ड ने फिर बता दिया कि हमारे विकास का दिशाभ्रम आखिर है क्या। भले ही बारिश की कोई तय कहानी नहीं है, जहां मेघ कातिल हैं, वहां जिंदगी की कोई निशानी नहीं है, लेकिन धर्मपुर का बस अड्डा अपने जन्म से ही अपनी मौत के फरमान जारी किए हुए है। दरअसल अड्डा सोन खड्ड के वजूद को चुनौती देकर बनता रहा, क्योंकि हुजूर का हुकम था कि उनके विकास के मीलपत्थर वहीं सलामत रहने चाहिएं जहां उनको दिशाभ्रम था। एक ही बस अड्डे की बार-बार मौत का जिम्मेदार आखिर है तो ऐसा ही विकास जो बिना किसी भौगोलिक अध्ययन या वैज्ञानिक आधार को पुख्ता करे। हमने विकास फॉल्ट लाइन्स खुद विकसित की हैं। गौर करें यह बार-बार शिमला की पंथाघाटी, मंडी या किसी अन्य पर्वतीय शहर के नए क्षेत्रों, हाइडल प्रोजेक्ट्स के नजदीक, नई आबादियों या सडक़ों के किनारे घाटियों की तरफ उगते ऊंचे भवन क्यों चर्चा में आते हैं। सोन खड्ड ने पहली बार धर्मपुर को 1960 में चुनौती देते हुए उस वक्त के बाजार को लाल झंडी दिखाई थी, लेकिन हमारे विकास के मॉडल ने सूई में कंक्रीट पिरोने की कोशिश करते हुए, बस स्टैंड के बैनर टांग दिए। दस वर्ष पूर्व सोन खड्ड ने बताया था कि उसकी हद में आया निर्माण स्वीकार नहीं है। तब भी बसों के ढेर लगे थे और पुनः बरसात के पत्थरों ने उद्घाटन के सारे पत्थर तोड़ डाले। यहां विकास के दृष्टिपटल पर सोन खड्ड ने लिख दिया है कि गलत विकास, सरकारी धन का दुरुपयोग व कबाडख़ाने का विकल्प है यह। आठ से दस करोड़ जाया करके अंततः ऐसी राजनीतिक संतुष्टि का किसे दोषी ठहराएं। बेशक अब योजनाओं की चिड़ियां नदियों-खड्डों से दूर निर्माण की नई शर्तें सुना रही हैं, लेकिन चिने हुए खतरों का क्या करें। हिमाचल में विकास का पुनर्गठन करते हुए पुनर्वास के नए घौंसले सुनिश्चित करने होंगे। धर्मपुर हो, बालीचौकी हो या थुनाग, यहां अब पुनर्वास को नया विकल्प खोजने के लिए वनों से सुरक्षित जमीन चाहिए।

हिमाचल की बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए दो-चार जंगल काटने की अनुमति चाहिए, वरना निजी जमीन की पैमाइश अब जिन क्षेत्रों में बची है, वे प्रायः असुरक्षित हैं या जल निकासी के पारंपरिक रास्तों के नजदीक हैं। हिमाचल के हर विभाग को राज्यस्तरीय नक्शे पर अपनी योजनाओं को उकेरना होगा। सरकारी, गैरसरकारी व जंगल की बंजर तथा समतल जमीन की अदला-बदली में लैंड पूलिंग आवश्यक है। इसके लिए टीसीपी कानून में परिभाषित हर अपेक्षा को पूरा करना होगा। पूरे हिमाचल का नियोजन करने की जरूरत है और इसके लिए टीसीपी के तहत समूचे प्रदेश के विकास का एक खाका बनाना होगा। भविष्य की आवश्यकताओं को जल, जंगल और जमीन के तहत एक नई साझेदारी विकसित करनी होगी। दूसरी ओर पर्वतीय राज्यों के विकास का एक सुनिश्चित खाका बनाने के लिए केंद्र सरकार को इनके आर्थिक अधिकार तथा विकास के मानदंड सुनिश्चित करने पड़ेंगे। यहां हिमाचल की राजनीति को सत्ता की सोहबत में अहंकार छोडऩे पड़ेंगे।

मांसाहारी गाय के दूध का मसला

द्विजेंद्र तिवारी, मुंबई

विदेश यात्रा पर गए भारतीय वापसी में अक्सर ड्यूटी फ्री दुकानों से झोला भर-भरकर स्विस चॉकलेट खरीदते पाए जाते हैं। विदेश में दूध वाली स्टारबक्स कॉफी, चेडर चीज और बटर का खूब सेवन करते हैं। लेकिन शुद्ध शाकाहारी लोगों को शायद यह नहीं पता होगा कि इन डेयरी उत्पादों को तैयार करने में इस्तेमाल दूध किसी मांसाहारी गाय का हो सकता है। यही वजह है कि दुनिया में अब शाकाहारी से भी बढ़कर 'वीगन' का प्रचलन बढ़ रहा है, जिसमें मांसाहार के साथ ही डेयरी उत्पादों से परहेज किया जाता है। भारत और अमेरिका के बीच मौजूदा टकराव का एक प्रमुख मुद्दा मांसाहारी गाय का दूध है।

अमेरिका का दबाव-पिछले बीस वर्षों में यह चौथी बार है जब मांसाहारी गायों का दूध भारत में खपाने के लिए अमेरिकी सरकार ने दबाव डाला है। वर्ष 2003 के बाद अगले चार वर्षों तक मनमोहन सिंह सरकार पर लगातार अमेरिका दबाव डालता रहा। वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (डब्लूटीओ) में डेयरी आयात पर भारत के प्रतिबंधों को अमेरिका ने चुनौती दी। तब भी भारत का कहना था कि धार्मिक और सांस्कृतिक संवेदनशीलता की वजह से यह संभव नहीं कि मांसाहारी गायों से प्राप्त दूध को भारत में मंजूरी दी जाए।

राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में भी यह कोशिश हुई। अमेरिकी नेशनल मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन (एनएमपीएफ) और यूएस डेयरी एक्सपोर्ट काउंसिल सहित अमेरिकी डेयरी उद्योग लॉबी ने भारत के विशाल बाजार तक पहुंच बनाने के लिए कड़ा दबाव डाला। अमेरिका ने भारत की 'शाकाहारी गायों' के प्रमाणन की अनिवार्यता में ढील देने की मांग की, जिसे भारत ने अस्वीकार कर दिया।

वर्ष 2019 की मिनी ट्रेड डील में भी तत्कालीन ट्रंप प्रशासन भारत के साथ एक सीमित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देना चाहता था, जिसमें डेयरी उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति शामिल थी। अमेरिकी सरकार की यह कोशिश असफल रही।

चारे में खून हड्डी-आखिर अमेरिका के दबाव और भारत के इनकार की वजह क्या है? दरअसल, अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में दुधारू मवेशियों को दूध की पैदावार बढ़ाने के लिए आमतौर पर मांसाहारी खाद्य पदार्थ खिलाए जाते हैं। अमेरिका में तो पशु आहार पूरी तरह मांसाहार होता है। अमेरिकी अखबार 'द सिएटल टाइम्स' की एक खबर के मुताबिक 'गायों को ऐसा चारा खिलाया जाता है जिसमें सूअर, मछली, मुर्गी, घोड़े, यहां तक कि बिल्ली या कुत्ते के अंग भी शामिल हो सकते हैं। प्रोटीन के लिए सूअर और घोड़े का खून इस्तेमाल होता है। चर्बी मिश्रित चारा अक्सर मृत जानवरों के अंगों, मुर्गीखानों के मल अपशिष्ट से बना होता है।'

अमेरिकी मीडिया की खबरों में कहा गया है कि मछली से प्राप्त प्रोटीन युक्त आहार का उपयोग गायों में प्रोटीन बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसी तरह जानवरों के खून को सुखाकर उसका पाउडर बनाया जाता है और गायों के चारे में मिलाया जाता है। इसमें प्रोटीन और आयरन की मात्रा अधिक होती है। इसी तरह बूचड़खानों के बचे मांस और हड्डी से चूरा बनाकर गायों के चारे में मिलाया जाता है। इसमें अमीनो एसिड और वैसल्शियम मिलता है, जिससे गायों के बेहतर स्वास्थ्य और ज्यादा दूध मिलने में सहायता मिलती है। यानी किसी भी जानवर जैसे सुअर, मुर्गी, गाय बैल के मृत अवशेषों को सुखाकर उसका पाउडर बनाकर चारे में इस्तेमाल करना सामान्य प्रक्रिया है।

आर्थिक कारक-भारत की धार्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक परंपराओं के अलावा, आर्थिक कारक भी महत्वपूर्ण हैं। भारत का डेयरी क्षेत्र दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्र है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग तीन प्रतिशत का योगदान देता है और आठ करोड़ से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन है। अमेरिकी डेयरी आयात के लिए बाजार खोलने से सस्ते उत्पादों की बाढ़ आ सकती है, जिससे घरेलू कीमतें गिर सकती हैं और किसानों की आर्थिक स्थिरता को खतरा हो सकता है। भारतीय स्टेट बैंक के एक विश्लेषण में अनुमान लगाया गया है कि अगर भारत अपने डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी आयात के लिए खोलता है तो उसे सालाना लगभग एक लाख करोड़ रुपए का नुकसान होगा।

> अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे टैरिफ दबाव के बीच प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को तो रेखांकित किया ही, चीन से संबंधों को सामान्य बनाने का भी फैसला हुआ। इसी सिलसिले में इलेक्ट्रिक वाहन, रिन्यूएबल एनर्जी, टेक्सटाइल मशीनरी, विद्युत एवं कृषि उपकरण, आटो पार्ट्स जैसे उद्योगों में चीनी निवेश को अनुमति दी गई है।

विकास को गति देने का मंत्र, उद्यमियों के साथ श्रमिकों का भी समान जरूरी

समाज के सबसे अच्छे मानव संसाधन का अधिकांश हिस्सा उद्यमशील न होकर नौकरियों की ओर भाग रहा है। हमारे सामाजिक सोच में ऐसा बदलाव आया है जो प्रतिभावान और प्रतिभाहीन दोनों ही वर्गों को कल कारखानों से विरत कर कुर्सी-मेज वाली जीविका की ओर मोड़ रहा है। एक राष्ट्र के तौर पर अनुशासन और निष्ठा की कमी भी उद्यमशीलता को प्रभावित कर रही है।

विकास सारस्वत।

पड़ोसी देश से रिश्तों में सुधार और विश्व की दो सबसे बड़ी आबादी वाले देशों के बीच आर्थिक सहयोग का बढ़ना अच्छी बात है, परंतु चीन के साथ पहले से ही भारी व्यापार घाटा झेल रहे भारत के लिए चुनौती यह भी है कि वह अपने विनिर्माण क्षेत्र को गति दे, अन्यथा यह घाटा और भी बढ़ सकता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के अभूतपूर्व औद्योगिक विकास और पश्चिमी देशों द्वारा उत्पादन क्षेत्र को पुनः बढ़ावा देने के प्रयासों से मुकाबला करने के लिए भारत को विनिर्माण को न सिर्फ गति देनी होगी, बल्कि इसमें गुणात्मक सुधार लाकर वैश्विक बाजार में अपना स्थान भी बनाना होगा। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण भारत को पहले-पहल कुछेक क्षेत्र चयनित कर अपने लिए क्षेत्र-विशिष्ट उद्योगों की पहल करनी होगी और फिर धीरे-धीरे यथासंभव क्षेत्रों में विस्तार हो सकता है।

ऐसा भी नहीं है कि हम बहुत निराशाजनक स्थिति में हैं। सदी की शुरुआत तक भारत वैश्विक विनिर्माण पटल पर किसी गिनती में नहीं था। 2006 में हम विनिर्माण करने वाले शीर्ष दस देशों में आए और आज हम शीर्ष पांच देशों में से एक हैं। मोबाइल फोन निर्माण में दूसरा बड़ा उत्पादक बनने के बाद आज सेमीकंडक्टर युग में प्रवेश कर भारत ने उच्च प्रौद्योगिकी-गहन उद्योग में जगह बनाई है, परंतु 140 करोड़ आबादी वाले देश में हमें श्रम की खपत वाले उद्योगों को भी गंभीरता से लेना होगा। खासकर तब जब सबसे अधिक रोजगार सृजन इसी क्षेत्र से उत्पन्न होता है और भारत की अधिकांश अर्धकुशल एवं अकुशल श्रम शक्ति इसी क्षेत्र में खपाई जा सकती है। पिछले दो दशकों से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 14 से 16 प्रतिशत के बीच अटकी हुई है। इसी दौरान चीन में यह हिस्सेदारी लगभग 30-35 प्रतिशत रही है। हाल के समय में सेवा क्षेत्र में आई बढ़त के कारण यह आंकड़ा घट कर 27 प्रतिशत पर आया है। यह कहना अनुचित होगा कि सरकारों ने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के प्रयास नहीं किए हैं। नीति निर्धारण स्तर पर कई सराहनीय पहल हुई हैं।

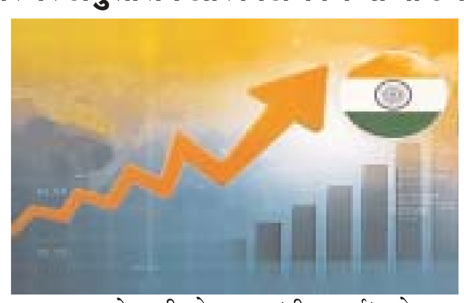

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, बुनियादी ढांचा विकास के लिए एकीकृत और व्यापक पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान, उदार एफडीआई नीति, निवेशकों को मंजूरी के लिए एक एकीकृत पोर्टल प्रदान करने के लिए नेशनल सिंगल विंडो स्कीम, वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी, कारपोरेट कर में कटौती आदि बहुत सी नीतियां और निर्णय विनिर्माण को गति देने के लिए गए हैं। बावजूद इसके कुछ ढांचागत एवं व्यावहारिक समस्याएं अब भी उद्योगों के लिए चुनौती बनी हुई हैं।

ऐसी ही एक चुनौती उद्योगों के लिए भूमि की सीमित उपलब्धता है। उत्तर भारत में यह समस्या अधिक है। ऐसे में जहां कम कृषि पैदावार वाली भूमि को औद्योगिक उपयोग में लाने के प्रयास करने होंगे, वहीं चिह्नित भूमि का सर्वोत्तम उपयोग भी सुनिश्चित करना होगा। देखा गया है कि औद्योगिक क्षेत्रों में बहुत सी जमीन केवल निवेश और पुनर्विक्रय के लिए निष्क्रिय पड़ी है।सरकार के काफी प्रयासों के बावजूद कौशल विकास की मुहिम कुछ खास कारगर नहीं हो पाई है। आवश्यकता है कि कौशल विकास का दायित्व निजी संस्थाओं के बजाय विश्वसनीय उद्योग निकायों को दिया जाए। स्वयं राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के अनुसार भारत में 2.9 करोड़ कुशल श्रमिकों की कमी है। अकेले सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दो वर्षों में 15 लाख दक्ष कामगारों की आवश्यकता होगी। करीब 80 प्रतिशत रोजगार सृजन करने वाले छोटे एवं मझोले उद्योगों को ऋण पाने में आज भी कठिनाई होती है।

विनिर्माण क्षेत्र में श्रम कानूनों को लेकर अनुकूल स्थिति नहीं है। जैसे 300 से ज्यादा कर्मियों वाले उद्योगों में छंटनी मुश्किल है, जबकि सेवा क्षेत्र में यह नीति लचीली है। इसके अलावा कमजोर ब्रांडिंग, अनुसंधान और नवीनीकरण में ढिलाई, पेशेवर दृष्टिकोण की कमी जैसी कुछ समस्याएं हैं, जिन्हें उद्योग जगत ने खुद खड़ा किया है। नई शिक्षा नीति में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को दिया गया महत्व इस दिशा में सराहनीय प्रयास है, परंतु अभिभावकों की मानसिकता में बदलाव से ही अपेक्षित परिणाम निकल पाएंगे।

समाज के सबसे अच्छे मानव संसाधन का अधिकांश हिस्सा उद्यमशील न होकर नौकरियों की ओर भाग रहा है। हमारे सामाजिक सोच में ऐसा बदलाव आया है जो प्रतिभावान और प्रतिभाहीन दोनों ही वर्गों को कल कारखानों से विरत कर कुर्सी-मेज वाली जीविका की ओर मोड़ रहा है। एक राष्ट्र के तौर पर अनुशासन और निष्ठा की कमी भी उद्यमशीलता को प्रभावित कर रही है। आवश्यकता इसकी है कि उद्यमियों को व्यापारी से उत्पादक बनाने के लिए प्रेरित किया जाए और श्रम एवं श्रमिकों के लिए समाज में सम्मान जगाया जाए।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि भ्रष्टाचार को सहन करके कोई भी देश उद्यमी या विकसित नहीं हो पाया है। सरकारी लालफीताशाही और भ्रष्टाचार उद्यमशील भारत के रास्ते में बड़ी बाधा हैं। नियमों के अनुपालन को सरल और न्यूनतम बनाने के अलावा नौकरशाही को समन्वयक के रोल में लाना होगा।उद्योग से संबंधित विभागों में नौकरशाही की सफलता इससे तय करनी होगी कि वह कितने नए उद्योग लगवाने में सफल रहे, कितने उद्योगों का विस्तार हुआ और उन उद्योगों में कितने ऐसे उद्योग थे जो आयात पर निर्भरता को कम करते हैं या निर्यात को बढ़ावा देते हैं। युवा जनसांख्यिकी, बढ़ता मध्यम वर्ग, तेजी से विकसित होता बुनियादी ढांचा ऐसे कुछ कारण हैं जिनके चलते विनिर्माण में भारत का भविष्य संभावनाओं से भरा हुआ है। आवश्यकता केवल इतनी है कि तात्कालिक लक्ष्यों से परे एक दूरगामी नीति के तहत विनिर्माण को राष्ट्रीय मिशन बनाकर कार्य किया जाए।

दुनिया के सामने ट्रंप की फजीहत! ज्नेतन्याहू ने साबित कर दिया गलत

सूफी खान

कतर पर हमले के मुद्दे पर ऐसा लग रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच एक मत नहीं बन पा रहा है। यही वजह है कि व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में जब ट्रंप से इजरायल के कतर पर आनेवाले समय में किए जानेवाले हमलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वो कतर पर अब हमला नहीं करेंगे। लेकिन दूसरी ओर उसी दिन नेतन्याहू ने उनके बयान का खंडन कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे दोबारा जरूर करेंगे।

15 सितंबर, 2025 को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'इजरायल कतर पर दोबारा हमला नहीं करेगा।' उन्होंने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बात की थी और आश्वासन दिया था कि ऐसी घटना दोबारा नहीं होगी। ट्रंप ने कतर को 'महान सहयोगी' बताते हुए इस हमले को इजरायल के हितों के खिलाफ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें हमले की पूरी जानकारी पहले नहीं थी और उन्होंने इसे रोकने की कोशिश की थी।ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कहा कि 'यह हमला इजरायल या अमेरिका के हितों को आगे नहीं बढ़ाता। यह नेतन्याहू का फैसला था, मेरा नहीं।' फिर 15 सितंबर को ही नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- 'हमास को खत्म करना हमारा लक्ष्य है और अगर इसके लिए कतर में कार्रवाई की जरूरत पड़ी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे।' इजरायल के इस एलान के बाद प्रेसिडेंट ट्रंप की बात का कोई वजन नहीं रह गया। ट्रंप के लिए इसे एक झटके के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप ने गाजा युद्ध को समाप्त करने और हमास के साथ बंधक सौदे को प्राथमिकता दी है, लेकिन नेतन्याहू की संपूर्ण विजय की नीति इससे टकरा रही है। पीएम नेतन्याहू तो ये भी कह चुके हैं जो लोग हमास को शरण देंगे हम उन पर हमला करेंगे। उनके इस बयान को तुर्की से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि तुर्की इजरायल पर कभी भी अटैक कर सकता है। अब ऐसा लग रहा है कि इजरायल और अमेरिका की डिप्लोमेसी एक-दूसरे से टकरा रही है। जानकार मानते हैं कि फिलहाल मिडिल ईस्ट में जो कुछ भी चल रहा है उससे इजरायल और कतर के बीच यह तनाव गाजा युद्ध को और जटिल बना सकता है। ट्रंप की शांति की कोशिशें और नेतन्याहू की आक्रामक नीति के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो रहा है। कतर ने सख्त जवाब की धमकी दी है और अगर इजरायल भविष्य में दोबारा हमला करता है, तो यह क्षेत्रीय युद्ध को और भड़का सकता है।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर लगाम और देशहित की दिशा

भारत की न्यायपालिका का एक गौरवशाली इतिहास रहा है कि उसने हमेशा संविधान को सर्वोच्च मानते हुए निर्णय दिए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर जो अंतरिम फैसला सुनाया, उसने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि किसी भी धार्मिक संस्था को संविधान और कानून से ऊपर नहीं माना जा सकता। यह फैसला भले अभी अंतिम न हो, लेकिन इसमें दी गई टिप्पणियाँ और निर्देश वक्फ बोर्ड की दशकों से चली आ रही मनमानी पर अंकुश लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, आगे के लिए अब ये तय है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वक्फ संपत्तियों की विशालता और विवाद -भारत में वक्फ संपत्तियों का दायरा किसी भी निजी या सरकारी संस्थान से बड़ा है। वक्फ बोर्ड के पास देशभर में लगभग 8 लाख से अधिक पंजीकृत संपत्तियाँ और 5 लाख एकड़ से अधिक जमीन है। यह क्षेत्रफल गोवा या सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के आकार से भी बड़ा है। इतनी विशाल संपत्ति का प्रबंधन यदि पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से होता, तो इससे मुस्लिम समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के क्षेत्र में क्रांति आ सकती थी। लेकिन वास्तविकता इसके उलट है। अब तक अलग अलग कई रिपोर्ट सामने आ चुकी हैं, जिसमें यह माना गया है कि वक्फ बोर्ड की हजारों संपत्तियाँ या तो अतिक्रमित हैं या उनका इस्तेमाल उद्देश्य के विपरीत हो रहा है।

2009 में कर्नाटक वक्फ बोर्ड घोटाला सामने आया था, जिसमें 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियाँ औने-पौने दाम पर बेच दी गई थीं। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में भी वक्फ बोर्डों पर जमीनों को अवैध रूप से किराये पर देने और निजी लाभ कमाने के आरोप बार-बार उठते रहे हैं। इन उदाहरणों से साफ है कि वक्फ संपत्तियाँ केवल धार्मिक-सामाजिक सेवा का माध्यम न रहकर विवाद, भ्रष्टाचार और राजनीति का अड्डा बन चुकी थीं।

संसद की चिंता और संशोधन की आवश्यकता- संसद में जब वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पेश हुआ, तो सत्तापक्ष ने यह स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्डों की अनियंत्रित शक्तियों को सीमित करना जरूरी है। कई सांसदों ने उदाहरण देकर बताया कि कैसे सरकारी अस्पताल, रेलवे स्टेशन और स्कूलों की जमीनों को वक्फ घोषित कर दिया गया।

एक सांसद ने सदन में यहां तक कह दिया था, यह कैसी व्यवस्था है कि कोई भी बोर्ड यह तय कर दे कि यह जमीन वक्फ की है और असली मालिक को सालों तक अदालतों के चक्कर काटने पड़ें विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वक्फ संपत्तियों का सही सर्वेक्षण हो, उनका मालिकाना हक स्पष्ट हो और बोर्ड मनमाने ढंग से किसी भी जमीन पर दावा न कर सके। इसके बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने यह स्वीकार किया कि संसद द्वारा पारित कानून की संवैधानिकता का अनुमान हमेशा उसके पक्ष में होता है। इसका अर्थ है कि जब तक कानून स्पष्ट रूप से असंवैधानिक न हो, तब तक अदालत उसे निरस्त नहीं कर सकती।

अदालत ने अंतरिम आदेश में तीन अहम बातें कहीं हैं, कलेक्टर की भूमिका बनी रहेगी, वक्फ बोर्ड के दावों की जाँच अब प्रशासनिक स्तर पर भी होगी। एएसआई सर्वेक्षण पर रोक नहीं है, अतः पारदर्शिता और प्रमाण आधारित दावों को बढ़ावा मिलेगा। लिमिटेशन एक्ट लागू होना चाहिए, ताकि नागरिकों और संस्थाओं को अनिश्चितकाल तक मुकदमों के दलदल में न फँसना पड़े। यह दृष्टिकोण न केवल संविधान की भावना के अनुरूप है बल्कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा भी करता है।

अन्य धार्मिक संस्थाओं से तुलना- भारत में केवल वक्फ बोर्ड ही ऐसा नहीं है जिसके पास धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन है। हिंदू मंदिरों और सिख गुरुद्वारों का भी बड़ा नेटवर्क है। लेकिन उनके संचालन में सरकार का नियमन अधिक स्पष्ट है। दक्षिण भारत के कई बड़े मंदिरों (जैसे तिरुपति) का प्रबंधन राज्य सरकार की निगरानी में है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी पंजाब सरकार और अदालतों के दिशा-निर्देशों के अधीन काम करती है। तो फिर वक्फ बोर्ड को विशेषाधिकार क्यों मिले यही सवाल सुप्रीम कोर्ट और संसद दोनों के सामने था।

वक्फ बोर्ड की मनमानी पर रोक- सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से वक्फ बोर्ड की सबसे बड़ी शक्ति उसकी मनमाने ढंग से संपत्तियों को वक्फ घोषित करने पर लगाम कस दी है। अब किसी भी संपत्ति पर दावा करने से पहले दस्तावेजी प्रमाण और प्रशासनिक जाँच आवश्यक होगी। यह कदम उन लाखों नागरिकों के लिए राहत है जिनकी निजी या पैतृक जमीनों पर वर्षों से वक्फ के झूठे दावे चल रहे हैं। स्वभाविक है कि जब संपत्तियों पर धार्मिक विवाद कम होंगे तो समाज में सौहार्द बढ़ेगा। देशभर की अदालतों में वक्फ संपत्तियों से जुड़े हजारों मुकदमे लंबित हैं। पारदर्शी प्रक्रिया से यह संख्या घटेगी। इस व्यवस्था से वक्फ संपत्तियों का असली लाभ गरीब और पिछड़े मुस्लिम समाज को मिल सकेगा। साथ ही लिमिटेशन एक्ट लागू होने से मुकदमे समयबद्ध होंगे और कभी भी दावा करने की प्रवृत्ति खत्म होगी।

मुस्लिम पक्ष - वास्तविकता और भ्रांतियाँ- मुस्लिम संगठन कह रहे हैं कि इस फैसले से उनकी संपततियों पर खतरा बढ़ जाएगा। लेकिन सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों को छीनने का आदेश नहीं दिया, बल्कि केवल उनकी जाँच और पारदर्शिता पर जोर दिया है। यदि वक्फ बोर्ड के पास वैध दस्तावेज और प्रमाण हैं, तो उन्हें किसी भी तरह का डर नहीं होना चाहिए। उलटे इस फैसले से उनकी विश्वसनीयता बढ़ेगी, क्योंकि यह साबित होगा कि उनकी संपततियाँ सही तरीके से पंजीकृत और उपयोग में हैं।इस तरह से यदि इस निर्णय की गंभीरता और सत्यता देखें तो सुप्रीम कोर्ट का यह अंतरिम आदेश केवल कानूनी पहलू नहीं है, यह एक सामाजिक संदेश भी देता है कि धार्मिक संस्थाएँ भी पारदर्शिता और जवाबदेही से परे नहीं हो सकतीं। वक्फ बोर्ड ने वर्षों तक जो मनमानी की, वह अब सीमित होगी। यह न केवल हिंदू या गैर-मुस्लिम नागरिकों के लिए राहत है, बल्कि मुस्लिम समाज के लिए भी लाभकारी है। क्योंकि जब संसाधनों का सही उपयोग होगा, तभी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक उत्थान संभव होगा। यह फैसला देशहित में इसलिए भी है क्योंकि यह हमें याद दिलाता है कि भारत का संविधान सभी धर्मों को समान अधिकार देता है, लेकिन किसी को भी कानून से ऊपर नहीं मानता।

करडेगा के प्राचार्य श्री गीता प्रसाद मधुकर निलंबित

रायपुर । शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार श्री गीता प्रसाद मधुकर, प्राचार्य, शा.उ.मा.वि. करडेगा, वि.ख. दुलदुला जिला जशपुर विद्यालय से अधिकतर अनुपस्थित रहते है. उनके द्वारा विद्यालय में नियमित रूप से कक्षाएं नहीं ली जाती है, विद्यालयीन कार्यों में रूचि नहीं लेने से विद्यालयीन व्यवस्था पर प्रतिकूलत प्रभाव पड़ा है। विद्यालय में स्वच्छ पेयजल का अभाव, स्वच्छ शैचालय का अभाव, फर्नीचर का खराब होना, पंखा एवं विद्युत उपकरण कियाशील नहीं होना, क्रीडा सामग्रियों का उपयोग नहीं होना, एनएसएस एवं स्काऊट गाईड की गतिविधियां नहीं होना पाया गया साथ ही उच्च अधिकारियों के आदेशो/निर्देशों की अवहेलना करना, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की प्रति दुर्व्यवहार एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करना पाया गया। साथ ही विद्यालयीन आबंटित राशि का अनुचित रूप से आहरण एवं निर्धारित मद अंतर्गत संबंधित कार्यों हेतु उपयोग नहीं किया जाता है तथा उनमें विद्यार्थियों के शैक्षणिक, शारीरिक, मानसिक गतिविधियों के संबंध में नियंत्रण का अभाव है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कुनकुरी के द्वारा श्री मधुकर के विरूद्ध टी.सी. के एवज में अधिक राशि की मांग एवं कार्यालयीन स्टाफ के साथ अनुचित व्यवहार की जांच किया गया, जो प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित होना पाया गया है।

श्री मधुकर का उक्त कृत्य छ.ग. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 के सर्वथा विपरीत पाते हुए छ.ग. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत श्री मधुकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उन्हे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। निलंबन अवधि में मुख्यालय कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, जशपुर नियत किया गया है।

'बरदर जलाशय नहर जीर्णोद्धार योजना को मिली प्रशासकीय स्वीकृति- क्षेत्रीय सिंचाई क्षमता होगी सुदृढ़'

500 हेक्टेयर कृषि भूमि की होगी सिंचाई

रायपुर,। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय ने मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के विकासखंड खडगवां स्थित बरदर जलाशय योजना की नहर जीर्णोद्धार कार्य को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस परियोजना पर अद्यतन दर अनुसूची के अनुसार 352.10 लाख रुपये की लागत स्वीकृत की गई है।

इस योजना के पूर्ण होने के उपरांत कुल 500 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिसमें 315 हेक्टेयर की पूर्व की कमी की पूर्ति तथा 10 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई भी सम्मिलित है।

स्वीकृति के साथ शासन ने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि कार्य निर्धारित समयावधि एवं स्वीकृत राशि के भीतर ही पूर्ण किया जाए। निविदा प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी होगी तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निर्माण सामग्री के मानक और तकनीकी पहलुओं की नियमित जांच भी अनिवार्य होगी।

योजना से क्षेत्र के किसानों को स्थायी सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना अनुसूचित जनजाति उपयोजना के अंतर्गत संचालित होगी तथा स्थानीय हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य शासन का यह निर्णय क्षेत्रीय विकास एवं कृषि समृद्धि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि मंत्री रामविचार नेताम का 18 व 19 सितंबर को गुजरात प्रवास पर रहेंगे

'राइजिंग एग्री समिट' में होंगे शामिल

रायपुर, । छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम दो दिवसीय गुजरात प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे 18 सितंबर को अहमदाबाद में आयोजित ÷राइजिंग एग्री समिट÷ में शामिल होंगे, जहां देश-विदेश के कृषि विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के साथ कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।

मंत्री श्री नेताम 19 सितंबर को आणंद जिले के प्रसिद्ध अमूल प्रोसेसिंग प्लांट का निरीक्षण करेंगे। यहाँ वे डेयरी प्रबंधन, आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीकों और मूल्य संवर्धन की प्रक्रियाओं का अवलोकन करेंगे, जिससे छत्तीसगढ़ में डेयरी और पशुधन क्षेत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अनुभवों का आदान-प्रदान हो सके। इस प्रवास के दौरान उनके साथ पशुधन विकास विभाग के निदेशक श्री चंद्रकांत वर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी रहेंगे। इस यात्रा से प्राप्त अनुभवों से राज्य की नीतियों और योजनाओं में शामिल कर किसानों और पशुपालकों के लिए नए अवसर सृजित किए जाएंगे।

छीसगढ़ में महिलाओं और बच्चों के विकास के प्रयास सराहनीय: केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

केन्द्रीय मंत्री ने किया निमोरा मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र का अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आज निमोरा स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र-1 का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र में पंजीकृत बच्चों से आत्मीय मुलाकात की, उन्हें गोद में उठाकर दुलारा और उनके लिए संचालित गतिविधियों एवं सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों की भूमिका की सराहना

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, शिक्षा और संपूर्ण विकास के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय हैं। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में ईसीसीई गतिविधियों के अंतर्गत न केवल बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है, बल्कि उन्हें खेल-खेल में शिक्षा भी दी जा रही है। इससे बच्चों की बौद्धिक, सामाजिक और शारीरिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

राष्ट्रीय पोषण माह की प्रासंगिकता पर जोर

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आज ÷स्वस्थ नारी सशक्त परिवार÷ के संकल्प के साथ राष्ट्रीय पोषण माह के आठवें संस्करण की शुरूआत की गई है। यह अभियान महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य सुधार, कुपोषण उन्मूलन और परिवार की खुशहाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल हों और स्वस्थ समाज निर्माण में योगदान दें। आंगनबाड़ी केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की रस्म अदा की और बच्चों का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों से भी संवाद किया तथा उन्हें योजनाओं से अधिक से अधिक लाभ उठाने की प्रेरणा दी।

बच्चों की प्रतिभा को सराहा

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने बाल-गीत प्रस्तुत किए, जिसे सुनकर केन्द्रीय मंत्री ने बच्चों की प्रतिभा की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को फल एवं उपहार प्रदान किए। केन्द्रीय मंत्री ने स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता और पौष्टिक व्यंजन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने आंगनबाड़ी परिसर में अमरूद, मुनगा, जामुन और आम के पौधे लगाकर हरित वातावरण और पोषण सुरक्षा का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि पौधरोपण न केवल पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि बच्चों को ताजगी भरा माहौल भी प्रदान करता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास विभाग के अतिरिक्त सचिव श्री लव अग्रवाल, छत्तीसगढ़ शासन की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, विभागीय संचालक श्री पी.एस. एल्मा, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रजत जयंती अवसर पर आयुष विभाग द्वारा जिला स्तरीय एक दिवसीय हर दिन-हर घर आयुर्वेद शिविर का सफल आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत महोत्सव वर्ष के अंतर्गत कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं संचालनालय आयुष विभाग के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय एक दिवसीय निःशुल्क हर दिन-हर घर आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 17 सितम्बर 2025, दिन बुधवार को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक मनेंद्रगढ़ में सम्पन्न हुआ।

शिविर का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि पूजन के साथ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव, विधायक प्रतिनिधि सजू यादव, पार्षदगण एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। मुख्य अतिथि ने शिविर में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाने चाहिए, जिससे आमजन को घर बैठे स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें।

इस शिविर में कुल 1108 मरीजों को निःशुल्क उपचार और दवाइयाँ प्रदान की गईं। आयुर्वेद से 865 और होम्योपैथी से 243 मरीजों का उपचार किया गया। योग प्रशिक्षकों द्वारा रोगानुसार आसन एवं प्राणायाम सिखाए गए। इसके अलावा, 280 लोगों को रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष काढ़ा वितरित किया गया और 35 मरीजों को संधिवात एवं वात रोगों के लिए कपिंग थेरेपी दी गई।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रतिमा यादव एवं पार्षद माया सोनकर, नीलू जायसवाल, सुनैना विश्वकर्मा ने उपस्थित महिलाओं को आयुर्वेदिक दवाई किट देकर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक जिलेभर में विभिन्न महिला स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के रूप में चलेगा।

शिविर में प्रदर्शनी भी आयोजित की गई, जिसमें रसोई से स्वास्थ्य का सफर नामक स्टाल पर मसालों की प्रदर्शनी के माध्यम से बताया गया कि दैनिक जीवन में प्रयोग किए जाने वाले मसाले किस प्रकार रोगों से बचाव में सहायक होते हैं। दूसरे स्टाल पर औषधीय पौधों की प्रदर्शनी में स्थानीय औषधीय पौधों एवं उनके औषधीय गुणों का सजीव चित्रण किया गया।

प्रदर्शनी शिविर में विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं, और महिलाओं एवं स्कूली छात्राओं ने इन स्टाल्स में विशेष रुचि दिखाई। इस प्रकार, आयुष विभाग द्वारा रजत जयंती अवसर पर आयोजित हर दिन-हर घर आयुर्वेद शिविर ने स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एनसीसी, स्काउट एवं छात्र-छात्राओं को मिली अग्निवीर एवं सेना भर्ती की विभिन्न जानकारी

मीडिया ऑडीटर, मनेन्द्रगढ़ (निप्र)। बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ में भारतीय सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर से आए भर्ती अधिकारी रुबेस कुमार और श्रवण सिंह ने विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स, स्काउट-गाइड और विद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं को भारतीय सेना में भर्ती के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों ने अग्निवीर, जूनियर कमीशन ऑफिसर और अन्य रैंकों पर भर्ती की प्रक्रिया को समझाया।

उन्होंने शारीरिक मापदंड, शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक परीक्षण और चयन की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तार से उल्लेख किया। इसके साथ ही, बोनस अंकों की व्यवस्था, चयन के विभिन्न चरण, वेतन सुविधा और भविष्य में मिलने वाले अवसरों पर भी जानकारी दी गई।

भर्ती प्रक्रिया को लेकर प्रचलित भ्रांतियों का निराकरण किया गया और छात्रों को यह विश्वास दिलाया गया कि मेहनत और अनुशासन से वे सेना में स्थान बना सकते हैं। इस अवसर पर उपस्थित छात्र-छात्राओं ने अधिकारियों से सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। उन्होंने भर्ती से संबंधित शंकाओं को स्पष्ट करने में रुचि दिखाई और कार्यक्रम से उन्हें नई प्रेरणा मिली। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य संजीव कुमार, व्याख्याता टी. विजय गोपाल राव, खेल एवं युवा कल्याण जिला नोडल अधिकारी विनोद जायसवाल, एनसीसी प्रभारी शिवनारायण, और शिक्षक सुमित जायसवाल सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम ने छात्रों को सेना में भर्ती के प्रति जागरूक किया और उन्हें अपने करियर के लिए नई संभावनाओं की ओर प्रेरित किया।

अंबिकापुर डीएसपी पर रायपुर की महिला ने लगाए रेप और वीडियो बनाने का आरोप, एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, अंबिकापुर (निप्र)। एक महिला ने सरगुजा आईजी से शिकायत कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में पदस्थ एसडीओपी (डीएसपी) याकूब मेमन पर रेप और वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। महिला ने बताया कि वह रायपुर में किराए के मकान में रहती थी, जहां डीएसपी ने उसके साथ बलात्कार किया और इसका वीडियो बना लिया। महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि याकूब मेमन ने उसे कई बार बलात्कृत किया और उसके वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसने पहले रायपुर थाने में शिकायत की, लेकिन वहां उसकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। इसके बाद, उसने बलरामपुर पुलिस से भी शिकायत की, लेकिन वहां भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने जीरो में अपराध दर्ज कर डायरी रायपुर भेज दी है। डीएसपी याकूब मेमन ने भी आईजी को आवेदन देकर महिला पर ब्लैकमेलिंग और डेढ़ लाख रुपये वसूलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि महिला ने उनसे आर्थिक मदद मांगी थी, और मानवता के नाते उन्होंने उसकी सहायता की। महिला ने कहा कि यह मामला न केवल उसके लिए, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी एक चेतावनी है।

स्वास्थ्य मंत्री ने चिरमिरी मंगल भवन से की स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े की शुरुआत

गंभीर बीमारी के लक्षण पर सरकार कराएगी महिलाओं का इलाज

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी का जन्मोत्सव को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाने मध्यप्रदेश की धरती धरा से प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी शुरुआत की। इस अवसर पर पूरे देश में स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा आज से 2 अक्टूबर तक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मजयंती तक मनाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी से प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्वास्थ्य सेवा पखवाड़ा की शुरुआत पोड़ी स्थित मंगल भवन से की। सेवा ही संकल्प, राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा का 75 वे साल से ओतप्रोत, संपूर्ण देश में निःशुल्क महिलाओं की स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य सेवाएं आगामी 2 अक्टूबर तक दी जाएगी, छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य विभाग इसी संकल्प के को पूरा करने के लिए दिन रात एक किए हुए है, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल इसकी शुरुआत अपने विधानसभा से की। सर्वप्रथम भगवान विश्वकर्मा और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र मे दीप प्रज्वलित कर मध्यप्रदेश के धरा से मोदी जी का लाइव कार्यक्रम देखा गया। इस अवसर पर सीएचएमओ डॉ अविनाश खरे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा पखवाड़े के अंतर्गत जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच आज से प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम चिकित्सालय में मौजूद रहेगी। उन्होंने कहा कि खासकर टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड पंजीयन पर जोर दिया जा रहा ताकि किसी को भी गरीबी के कारण इलाज में दिक्कत ना हो, इसके साथ ही श्री खरे ने कहा कि जिले के तीन बड़े अस्पतालों में सोनोग्राफी और सीजेरियन तथा बल्ड स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध है।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक व प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि - अभी कुछ दिन पहले बस्तर में 5 जिले के दौरे पर रहा, मैने पाया कि बस्तर की अधिकांश गर्भवती महिलाओं में खून की कमी है, इस वजह से बच्चे भी कुपोषित रहते है, पूछने पर कुछ महिलाओं ने बताया कि हमने तीन टेबलेट लिए है तो किसी ने 5 और किसी ने 8 टेबलेट की बात की जबकि 200 से 250 टेबलेट गर्भवती महिलाओं को दिया जाता है। हमने अपने 20 माह के कार्यकाल में इन सभी परिस्थितियों से लड़ते हुए बेहतर जांच और चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में जुटे हुए है, लेकिन आप देखिए कि बस्तर के महिलाओं की दर्द को देश के प्रधानमंत्री भी समझ रहे है। उन्होंने अपने जन्मदिवस पर देश की महिलाओं से शत प्रतिशत स्वास्थ्य जांच कराए जाने की अपील की। जायसवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को इस पखवाड़े में स्वास्थ्य सेवा के रूप में योगदान देने की शपथ भी दिलाई और कई लोगों को आयुष्मान कार्ड का वितरण किया।

स्वच्छता को जिंदगी का हिस्सा बनाएं : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथी खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के कोटा स्थित स्वामी विवेकानंद स्टेडियम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के ÷स्वच्छता ही सेवाङ्क2025÷ अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा खिलाड़ियों, खेल संघों के पदाधिकारियों, अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। ÷स्वच्छता ही सेवा÷ अभियान के शुभारंभ के मौके पर स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्टेडियम में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में खिलाड़ियों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने खिलाड़ियों, अधिकारियों तथा खेल संघों के पदाधिकारियों के साथ कोटा स्टेडियम प्रांगण में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान का शुभारंभ किया तथा स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने स्वच्छता संदेश में खिलाड़ियों से कहा कि स्वच्छता को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं। न स्वयं गंदगी करें और न ही दूसरों को गंदगी फैलाने दें। श्री साव ने स्टेडियम में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने खिलाड़ियों को हैंडवाश वितरित किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता ही सेवा का मुख्य उद्देश्य युवाओं और नागरिकों में स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें ÷स्वच्छ परिसर ङ्क स्वस्थ समाज÷ का संदेश देना है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त सचिव श्री सुखनाथ अहिरवार, उप संचालक सुश्री रश्मि ठाकुर और श्री रवि अग्रवाल, युवा कल्याण अधिकारी श्री जितेंद्र नायक, छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के श्री जी.एस. बाम्बरा, छत्तीसगढ़ तीरंदाजी संघ के सचिव श्री आयुष मुरारका, वॉलीबॉल एसोसिएशन के श्री मोहम्मद अकरम खान, क्रीड़ा भारती के श्री संजय शर्मा, केनोइंग-कयाकिंग एसोसिएशन के श्री प्रशांत रघुवंशी और स्कूल शिक्षा विभाग के श्री संजय शुक्ला सहित खेल अधिकारी, खेल संघों के पदाधिकारी और खिलाड़ी इस दौरान बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों ने उठाया फावड़ा, स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत की वार्ड 1 से 3 की सफाई

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत गुरुवार सुबह वार्ड क्रमांक 1 से 3 तक सफाई कार्य किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि जमुना सेन, सीएमओ सुरेखा जाटव सहित पार्षदों ने भी सफाई की।

जनप्रतिनिधियों ने चलाया फावड़ा

वार्ड 3 में साफ-सफाई के दौरान जमुना सेन, सीएमओ सुरेखा जाटव, वार्ड 8 के पार्षद कैलाश ठाकुर और वार्ड 9 के पार्षद प्रतिनिधि राहुल परमार भी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने खुद फावड़ा और तगड़ी उठाकर नालियों की सफाई की और कचरा व मिट्टी बाहर निकाली।

मंदिरों के आसपास की विशेष सफाई

अभियान के दौरान धार्मिक स्थलों की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मंदिरों के आसपास फैली गंदगी हटाई गई और सफाई सुनिश्चित की गई। साथ ही, वार्ड का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया गया।

नारे लगाकर किया जागरूक

अभियान के दौरान लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए नारे भी लगाए गए। नगर पालिका का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ें और स्वच्छता में सहयोग करें।

2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुरेखा जाटव ने बताया कि यह विशेष स्वच्छता अभियान आगामी 2 अक्टूबर तक चलेगा।

इस दौरान शहर के सभी वार्डों, मंदिरों, सार्वजनिक स्थानों और पार्कों की सफाई की जाएगी। साथ ही, आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से रैलियां और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

27 दिन बाद युवक के साथ जिंदा लौटी छात्रा, भीलवाड़ा में किराये का मकान लिया; 15 वर्षीय भाई पुलिस को करता रहा गुमराह

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में नदी की रेलिंग पर ममेरे भाई से फोटो क्लिक करवाकर बहन के नदी में गिरने की कहानी झूठी निकली। 27 दिन बाद लड़की जिंदा होकर एक युवक के साथ पिपलौदा थाने पर लौट आई।

मामला 21 अगस्त को सामने आया था। पिपलौदा थाना के गांव अंगेठी बड़ौदा में लड़की के ममेरे भाई ने बहन के नदी में गिरने की बात बताई थी। कहा कि फोटो खिंचवाते समय समय बहन नदी में गिर गई। मामला पुलिस तक पहुंचा।

पुलिस, एसडीआरएफ और ग्रामीण लगातार 8 से 10 दिन तक लड़की को पानी में खोजते रहे। यहां तक कि ग्रामीणों ने गोताखोर भी लगाए, लेकिन लड़की का कोई पता नहीं चला। पुलिस को भाई की कहानी पर संदेह था।

मामा के घर रहकर पढ़ाई करती थी

छात्रा रतलाम में अपने मामा के यहां रहकर कॉलेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ाई करती थी। 21 अगस्त को वह अपने मामा के लड़के छोटे भाई (15) के साथ खुद बाइक चलाकर अपने गांव आई थी। गांव में परिजनों से मिलने के बाद अपने गांव से 3 किमी दूरी माताजी मंदिर के दर्शन करने गई। द

दर्शन कर वापस गांव लौटते समय रास्ते में मलेनी नदी की रेलिंग पर अपने ममेरे भाई से फोटो क्लिक करवाया था। कुछ देर बाद छोटे भाई ने गांव जाकर बताया था कि बहन नदी में गिर गई। इसके बाद करीब एक सप्ताह तक नदी के 15 किमी क्षेत्र में इसे तलाश किया। लेकिन नहीं मिली। युवती फर्स्ट ईयर की छात्रा थी। परिवार में पिता, मां और छोटा भाई है। पिता और भाई गांव-गांव सब्जी बेचकर परिवार चलाते हैं। छोटा भाई कक्षा 10वीं की प्राइवेट पढ़ाई करता है।

जीवित होने के एंगल से की जांच

जब छात्रा नदी में नहीं मिली तो पुलिस ने जीवित अवस्था में होने के एंगल से जांच की। जांच में सामने आया कि छात्रा जिंदा है। गांव का एक युवक भी गायब था।

मोबाइल CDR से मिला सुराग

पुलिस ने लड़की के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली। उसमें गांव के ही एक युवक से आखिरी बातचीत का रिकॉर्ड मिला। जांच में सामने आया कि वही युवक भी उसी दिन से गायब था। इसके बाद पुलिस ने चुपचाप अपनी जांच आगे बढ़ाई।

पिपलौदा और नामली थाना पुलिस ने ममेरे भाई से अलग-अलग पूछताछ की। वह बार-बार यही कहता रहा कि बहन नदी में गिर गई। लेकिन जब सायबर सेल ने पूछताछ की तो उसके बयानों में अंतर मिला। सख्ती करने पर भाई ने सच्चाई कबूल की।

उसी दिन गायब हुई थी सहेली भी

जिस दिन युवती को नदी में गिरा बताया गया था, उसी रात उसकी सहेली भी गायब हो गई थी। नामली थाना पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया था। दोनों के मोबाइल नंबर ट्रैक करने पर हरदा जिले के एक युवक से कनेक्शन मिला। इसके बाद पुलिस का शक पक्का हो गया।

भीलवाड़ा में किराये के मकान में रह रही थीं

पुलिस जांच में सामने आया कि युवती उसी गांव के युवक के साथ राजस्थान के भीलवाड़ा में किराये के मकान में रह रही थी। युवक उसके घर के सामने मेन रोड पर रहता है और पिकअप वाहन चलाता है।

27 दिन बाद लौटी और थाने पहुंची

करीब 27 दिन बाद युवती खुद युवक के साथ पिपलौदा थाने पहुंची। गांव में जब इसकी जानकारी लगी तो लोगों में नाराजगी है कि युवती ने पूरे गांव और पुलिस को गुमराह किया।

भाई के बयान पर शुरू से ही शक था

छात्रा के ममेरे भाई द्वारा पुलिस को शुरू से दिए गए बयान को लेकर शक था। लड़की नामली थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। जबकि घटना पिपलौदा थाना क्षेत्र की है। एसपी अमित कुमार ने जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय समेत दोनों थानों क्षेत्र की पुलिस के अलावा सायबर सेल को जांच में जुटाया। पुलिस ने भाई से अलग-अलग पूछताछ की।

भाई के बयान में पुलिस को विरोधाभास सामने आया। बात में परिजनों व पुलिस के दबाव के बाद भाई टूट गया। उसने बता दिया बहन तो नदी में गिरी ही नहीं है।

भाई को दिए 7 हजार

पुलिस जांच में यह सामने आया है कि छात्रा जिस लड़के के साथ गई थी, उसने भाई को धमकाया था। यहां तक किसी को नहीं बताने पर 7 हजार रुपए देने की बात भी सामने आई है। पूरी जांच के बाद पुलिस ने इन दोनों के पास पहुंची। बुधवार रात दोनों पिपलौदा थाने में पेश हो गए।

राशन दुकान की जगह बदलने से लोगों में आक्रोश

खंडवा, एजेंसी। मोरटक्का के खेड़ीघाट, मोरटक्का स्टेशन और मालबेड़ी के ग्रामीणों में शासकीय उचित मूल्य की दुकान को 5 किलोमीटर दूर स्थानांतरित करने के कारण आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत ने बिना पंचों से सलाह किए यह निर्णय लिया। जिससे उन्हें राशन लाने में काफी परेशानी हो रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि ओंकारेश्वर फोरलेन हाईवे के कारण दुकान को हटाया जा रहा है, लेकिन इसे गांव से 5 किलोमीटर दूर मोरटक्का माफी के पुराने पंचायत भवन में संचालित किया जा रहा है। इससे गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को राशन लाने में कठिनाई हो रही है, क्योंकि उनके पास आने-जाने का कोई साधन नहीं है।

ग्रामीणों ने सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और मांधाता विधायक नारायण पटेल को ज्ञापन सौंपकर समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों ने मांग की है कि राशन की दुकान को या तो गांव में ही रखा जाए या उनके लिए परिवहन की व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें राशन लाने में कोई परेशानी न हो। मांधाता विधायक ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि वे 3 दिनों के लिए गांव में ही शासकीय उचित मूल्य की दुकान खुलवा देंगे।

फीस न भरने पर छात्रों को परीक्षा से रोका, इटारसी के जीनियस प्लेनेट स्कूल संचालक पर लगाए आरोप

इटारसी, एजेंसी। इटारसी के जीनियस प्लेनेट स्कूल पर गंभीर आरोप लगे हैं। एक रेलवे कर्मचारी ने दावा किया है कि स्कूल ने फीस जमा न करने पर उनके दोनों बेटों को परीक्षा में बैठने से वंचित कर दिया। कर्मचारी ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल संचालक ने उन्हें शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई न होने की धमकी दी है।

फीस न भरने पर परीक्षा से वंचित बच्चों का आरोप

रेलवे कर्मचारी जीतू केवट के अनुसार, उनका तबादला इटारसी से बीना हो गया है। बड़े भाई का एक्सीडेंट और उनकी आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे एक महीने की स्कूल वैन की फीस नहीं भर पाए। उनके दो बेटे, आयुष केवट (कक्षा 5) और अंश केवट (कक्षा 7), जीनियस प्लेनेट स्कूल में पढ़ते हैं।

कर्मचारी ने बताया कि फीस जमा न होने के कारण स्कूल वैन ने उनके बच्चों को घर से नहीं लिया, जिससे वे वर्तमान में चल रही परीक्षाओं में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछले साल में भी वार्षिक परीक्षा के दौरान उनके बच्चों को इसी तरह पेपर नहीं देने दिया गया था। जब स्कूल संचालक जफर सिद्दीकी से चर्चा की उन्होंने कहा स्कूल वैन की फीस का मामला है।

रेलवे कर्मचारी ने स्कूल संचालक पर कार्रवाई की मांग

स्कूल फीस भी काफी बाकी लेकिन हमने बच्चों को स्कूल आने और परीक्षा देने मना नहीं किया। वह अन्य वाहन से बच्चों को स्कूल भेज सकते हैं। रेलवे कर्मचारी ने स्कूल संचालक जफर सिद्दीकी और उनके भाई पर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने और शिक्षा का व्यवसायीकरण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अधिकारियों से अपने बच्चों के भविष्य को बचाने के लिए हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।

छतरपुर में बारिश जारी, फसलों को नुकसान; इकारा गांव का रोड बहा, आवाजाही थमी, मौसम विभाग ने जताई बारिश की संभावना

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर। गुरुवार सुबह से जिले में आसमान में घने बादल छाए रहे। न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार लगभग 8 किलोमीटर प्रति घंटे रही। मौसम विभाग ने दिन में 20 से 40 प्रतिशत तक बारिश होने की संभावना जताई है।

पिछले दिनों हुई बारिश के आंकड़े: सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहा। उमस और गर्मी से लोग परेशान थे, लेकिन शाम को हुई तेज बारिश ने मौसम को ठंडा कर दिया। मंगलवार को अधिकतम 30 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री दर्ज किया गया।

शाम को हुई हल्की बारिश से थोड़ी राहत मिली। जिले के विभिन्न स्थानों में हालिया बारिश के आंकड़े इस प्रकार हैं- छतरपुर 1.5 इंच, लवकुशनगर 0, बिजावर 0.1, नौगांव 0.2, राजनगर 0.7, गौरिहार 0.9 और बक्सवाहा 0.3 इंच।

फसलों पर असर होने से किसानों की चिंता बढ़ी: बारिश के कारण जिले में मूंगफली, सोयाबीन और उड़द की फसलें प्रभावित हुई हैं। वर्तमान में कटाई का समय चल रहा है, इसलिए किसानों को मौसम को लेकर चिंता बनी हुई है। इस साल अब तक जिले में कुल 51.1 इंच बारिश हो चुकी है, जो पिछले साल के 38.5 इंच से अधिक है।

इकारा गांव में बाढ़ : बिजावर विधानसभा क्षेत्र के इकारा गांव में हाल ही में आई बाढ़ के कारण सड़क बह गई थी। दो महीने बीत जाने के बावजूद सड़क का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया। इसके चलते बच्चों को स्कूल जाने के लिए पानी से होकर गुजरना पड़ता है। एंबुलेंस भी गांव तक नहीं पहुंच पा रही, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सागौन तस्करों ने वनकर्मी पर किया हमला घायल, जंगल से लकड़ी ले जाने से रोका

सागर, एजेंसी। सागर में दक्षिण वन मंडल के देवरी वन परिक्षेत्र में सागौन तस्करों ने वनकर्मी पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घायल वनकर्मी की शिकायत पर महाराजपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, फरियादी वनकर्मी राज बहादुर सिंह ने बताया कि वे बुधवार रात करीब 2 बजे बघवारा बीट में साथी उमाशंकर के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान कुछ लोग अवैध रूप से सागौन की लकड़ी लेकर बाइक से जा रहे थे। वनकर्मियों ने उन्हें रोका और लकड़ी के संबंध में पूछताछ की।

आरोपियों ने की मारपीट: जैसे ही वनकर्मियों ने रोकने और सागौन व वाहन छोड़ने के लिए कहा, मौके पर दूसरी बाइक से दो और लोग आए। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने बंदूक की बट से राज बहादुर सिंह के सिर पर हमला कर दिया। बट से हमला होने से वनकर्मी घायल हो गया।

हमले के बाद आरोपी बाइक और सागौन लेकर मौके से भाग गए।

बदमाश सिर पर बंदूक की बट मारकर भाग निकले

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायल वनकर्मी राज बहादुर सिंह महाराजपुर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

वन विभाग की जांच जारी: वन अधिकारियों को संदेह है कि सागौन की लकड़ी की तस्करी देवरी में की जा रही है। इसी कारण देवरी के खड़ेराव वार्ड में स्थित एक फर्नीचर शॉप पर वन विभाग की टीम ने निरीक्षण किया।

जांच के दौरान शॉप में रखी लकड़ी की पुष्टि की जा रही है।: मौके पर पुलिस और वन विभाग की टीम लगातार जांच में जुटी है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश जारी है।

शाजापुर से लापता हुई जुड़वां बहनें

घर से 2 किमी दूर मिलीं 3 साल की बच्चियां

शाजापुर (उज्जैन), एजेंसी। शाजापुर शहर के विजयनगर से गुरुवार सुबह खेलते-खेलते लापता हुई तीन साल की दो जुड़वां बहनों को पुलिस ने सकुशल ढूंढ निकाला है। लालघाटी थाना पुलिस ने बच्चियों को घर से 2 किलोमीटर दूर द्वारिका पुरी इलाके से बरामद कर उनके पिता को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह करीब 10 बजे विजयनगर निवासी सुनील फुलेरिया की तीन वर्षीय जुड़वां बेटियां घर के बाहर खेल रही थीं। कुछ देर बाद जब वे दिखाई नहीं दीं, तो परिजनों ने पहले पड़ोस में दादा के घर और आसपास तलाश किया, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।इसके बाद पिता सुनील फुलेरिया ने लालघाटी थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही लालघाटी थाने पर पदस्थ प्रधान आरक्षक प्रमोद नागर, जसवंत सिंह जाटव और आरक्षक रामप्रसाद बामनिया बच्चियों की तलाश में जुट गए।पुलिस टीम ने गहन तलाश के बाद दोनों बच्चियों को द्वारिका पुरी क्षेत्र में घूमते हुए पाया। उन्हें तत्काल थाने लाया गया और उनके पिता सुनील फुलेरिया को सुपुर्द कर दिया गया।

खरगोन एसपी ने किया 5 थाने-चौकियों का निरीक्षण, क्राइम फाइलें देखीं; सीसीटीवी सुधारने और त्योहारों में अलर्ट रहने के निर्देश दिए

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के नवागत एसपी रवींद्र वर्मा ने बुधवार रात जिले के पांच थाने और चौकियों का दौरा कर कानून-व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने थाना प्रभारियों और स्टाफ से सीधे चर्चा कर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, अपराध की स्थिति और त्योहारी सीजन को लेकर जरूरी निर्देश दिए।

एसपी वर्मा ने मेनगांव थाना, गोगावां क्षेत्र में शीतला माता मंदिर, अहिरखेड़ा चौकी, बिस्टान और भगवानपुरा थाना का निरीक्षण किया। उन्होंने हर स्थान पर क्राइम फाइलों की समीक्षा की और थानों में उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों की जांच की।

सीसीटीवी कैमरे सुधारने के निर्देश: निरीक्षण के दौरान एसपी ने थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति देखी और जहां जरूरी हो, उन्हें तुरंत ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हवालात, शस्त्रागार, बलवा ड्रिल सामग्री और अन्य सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की।

असामाजिक तत्वों पर नजर रखें: एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में सक्रिय बदमाशों, गुंडा तत्वों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखने को कहा। उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल, सीसीटीएनएस और समंस-वारंट से जुड़ी जानकारी भी ली।

त्योहारों को लेकर सतर्कता के निर्देश: आगामी त्योहारों को देखते हुए एसपी ने स्टाफ को अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह तैयार रहे।

सीहोर में सोयाबीन कटाई के लिए हार्वेस्टर का सहारा, मजदूरों की मजदूरी बढ़ी

800 रुपए तक मिल रहा प्रतिदिन का मेहनताना

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में सोयाबीन की कटाई का काम शुरू हो गया है। हालांकि, लगातार रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण किसानों को फसल काटने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण कुछ किसान मशीनों से कटाई कर रहे हैं, जबकि कुछ खेतों में मजदूरों की मदद लेनी पड़ रही है।

मजदूरी बढ़ने से किसान मशीन का सहारा ले रहे: इस साल मजदूरों की दर में भी वृद्धि हुई है। पिछले साल मजदूरों को प्रतिदिन 500 रुपए मिलते थे, लेकिन इस साल यह बढ़कर 600 से 800 रुपए प्रतिदिन हो गई है। किसान घनश्याम यादव ने बताया कि उन्हें इस बार मजदूरों को 700 से 800 रुपए प्रतिदिन देने पड़ रहे हैं। उनका कहना है कि लगातार बारिश और खेतों में पानी भर जाने के कारण फसल काटना और मजदूरों का काम कराना दोनों ही मुश्किल हो गया है।

किसान उमेश माहेश्वरी ने कहा कि बारिश से खेतों में पानी जम जाने के कारण सोयाबीन की कटाई मुश्किल हो रही है और कई जगह फसल खराब होने का खतरा भी बना हुआ है।

एशिया कप : पाकिस्तान बहिष्कार की धमकी के बाद यूएई के खिलाफ खेलने को तैयार कैसे हो गई ?

दुबई, एजेंसी। भारत के खिलाफ मैच के दौरान नो हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान ने आईसीसी से शिकायत की थी। अपनी शिकायत में पाकिस्तान ने कहा था कि नो हैंडशेक में रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की भूमिका थी। पाकिस्तान ने पाइक्रॉफ्ट को एशिया कप से हटाने की मांग आईसीसी से की थी और ऐसा न होने की स्थिति में एशिया कप से बहिष्कार करने की धमकी दी थी। बुधवार को दुबई में पाकिस्तान एशिया कप में यूएई के खिलाफ उतरी है। रेफरी पाइक्रॉफ्ट को भी आईसीसी ने हटाया नहीं है। फिर, पाकिस्तान का खेलना संभव कैसे हुआ?

ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक यूएई और पाकिस्तान मैच से पहले रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट ने पीसीबी से भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान हुए विवाद के लिए माफी मांगी। पीसीबी के मुताबिक पाइक्रॉफ्ट ने गलतफहमी को विवाद का कारण बताया।

पीसीबी ने एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें एंडी पाइक्रॉफ्ट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों और कप्तान सलमान अली आगा के साथ बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। बैठक में पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवीद अकरम चीमा, कप्तान आगा और कोच हेसन पाइक्रॉफ्ट से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आईसीसी से वसीम खान भी मौजूद थे।

पाइक्रॉफ्ट के माफी मांगने के बाद पीसीबी ने यूएई के खिलाफ पाकिस्तान क्रिकेट टीम को खेलने की अनुमति दी। पाकिस्तान-यूएई का मैच शुरू हुआ। मैच 1 घंटे की देरी से शुरू हुआ। टॉस भारतीय समयानुसार शाम 7ः30 बजे न होकर 8ः30 में हुआ और मैच 8 बजे की जगह 9 बजे शुरू हुआ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से यह दावा करते हुए एंडी पाइक्रॉफ्ट को एशिया कप से हटाने की मांग की थी कि उन्होंने ने ही पाकिस्तान टीम के कप्तान सलमान अली आगा से कहा था कि टॉस के समय कप्तानों के बीच हाथ नहीं मिलाया जाएगा। हालांकि, आईसीसी ने स्पष्ट कर दिया था कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को शिकायत का अधिकार है, लेकिन रेफरी की इसमें कोई भूमिका नहीं है। आईसीसी ने एंडी पाइक्रॉफ्ट को नहीं हटाने पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था।

स्मृति मंधाना का 12वां शतक

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को दिया 293 का लक्ष्य

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। बाएं हाथ की विस्फोटक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के वनडे करियर के 12वें शतक की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महाराजा यादविन्द्र सिंह पीसीए स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 293 रन का लक्ष्य दिया है।

स्मृति मंधाना ने भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक लगाया। मंधाना ने 77 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। भारत की तरफ से महिला क्रिकेट का सबसे तेज वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी मंधाना के नाम ही है। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 70 गेंदों पर शतक लगाया था।

मंधाना के 91 गेंदों पर 4 छक्के और 14 चौके की मदद से बनाए 117 रन की मदद से भारतीय टीम ने 49.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 292 रन बनाए। दीप्ति शर्मा ने 40, विकेटकीपर ऋचा घोष ने 29, प्रतिका रावल ने 25 और स्नेह राणा ने 24 रन बनाए। मंधाना के अलावा किसी अन्य बल्लेबाज की बड़ी पारी आई होती, तो स्कोर 325 के ऊपर जा सकता था।

ऑस्ट्रेलिया के लिए डॉर्सी ब्राउन ने 8 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट लिए। एश्ले गार्डनर ने 2, मेगान स्कट, एनाबेल सदरलैंड, ताहिला मैक्ग्रा ने 1-1 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने 8 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। ऑस्ट्रेलिया और भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बीच खेली जा रही तीन वनडे मैचों की सीरीज विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए अभ्यास का बड़ा अवसर है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ विश्व कप से पहले वनडे सीरीज भारतीय टीम के परिपेक्ष्य में देखा जाए तो बेहद अहम है। भारतीय टीम पहले वनडे में 281 रन बनाकर भी हार गई थी।

पीकेएल-12: दबंग दिल्ली केसी की शानदार वापसी

तेलुगू टाइटंस को हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचे

जयपुर, एजेंसी। आशू मलिक (2) नहीं चले लेकिन डिफेंडरों (15 अंक) ने दबंग दिल्ली केसी की शानदार वापसी कराते हुए लगातार छठी जीत के साथ अंक तालिका के शीर्ष पर उसका पहुंचना तय किया। दिल्ली ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में बुधवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 37वें मुकाबल में तेलुगू टाइटंस को 33-29 के अंतर से हराया।

दिल्ली के लिए नीरज (9) और अक्षित (3) ने सुपर रेड लगाए जबकि फजल अतराचली और सौरव नांदल ने हाई-5 लगाए। टाइटंस के लिए विजय मलिक (5) सबसे सफल खिलाड़ी रहे। डिफेंस में अजीत पवार ने चार अंक लिए। टाइटंस की आठ मैचो में यह चौथी और लगातार तीसरी हार है।

बहरहाल, विजय के बोनस के बाद शुभम ने नीरज का शिकार कर टाइटंस को 2-0 की अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद भरत ने सौरव का शिकार किया और फिर आशू को लपक स्कोर 4-0 कर दिया लेकिन मैच की पहली डू ओर डाई रेड पर सुरजीत ने उनका शिकार कर दिल्ली का खाता खोल दिया। इसके बाद नीरज ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर फासला 2 का कर दिया। अगली डू ओर डाई रेड जल्दी ही आ गई। इस पर मंजीत ने सौरव को आउट कर स्कोर 5-2 कर दिया।

नीरज ने हालांकि दिल्ली की डू ओर डाई रेड पर अंकित को आउट कर फासला फिर 2 का कर दिया। सुरजीत ने हालांकि भरत को लपक स्कोर 4-5 कर आशू को भी रिवाइव करा लिया। ब्रेक के बाद टाइटंस ने रफ्तार पकड़ी और 9-4 की लीड ले ली। दिल्ली के लिए चिंता की बात यह थी कि शुभम ने आशू का भी पत्ता साफ कर दिया था। अजिंक्य ने हालांकि अगली रेड पर नीरज को रिवाइव करा लिया। इसके बाद सौरव ने भरत को लपक स्कोर 6-9 कर दिया। टाइटंस ने 12-7 स्कोर के साथ अपनी पकड़ मजबूत की लेकिन फजल ने भरत को लपक दिल्ली की लड़ाई जारी रखी। इधर, आशू 19 मिनट के बाद भी खाता नहीं खोल सके थे। हाफटाइम से ठीक पहले मंजीत ने नीरज को लपक स्कोर 14-9 कर दिया। ब्रेक के बाद फजल ने भरत को लपक फासला 4 का कर दिया लेकिन शुभम ने आशू को चौथी बार आउट कर हिसाब बराबर किया। सौरव द्वारा मंजीत का शिकार किए जाने के बाद नीरज ने सुपर रेड के साथ स्कोर 14-15 कर दिया।

विजय ने हालांकि मल्टीप्वाइंटर के साथ आलआउट बचा लिया। इसके बाद टाइटंस ने आशू को सुपर टैकल कर स्कोर 19-14 कर दिया। इस बीच नीरज ने टाइटंस न सिर्फ टाइटंस को दो खिलाड़ियों तक सीमित किया बल्कि आशू को भी रिवाइव करा लिया।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

पुर्तगाल के नादेर ने वाइटमैन को हराकर पुरुषों की 1,500 मीटर दौड़ जीती

टोक्यो, एजेंसी। पुर्तगाल के इसाक नादेर ने बुधवार को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की 1,500 मीटर दौड़ में 3 मिनट 34.10 सेकंड का समय निकालकर नाटकीय जीत हासिल कर इतिहास रच दिया। 2022 के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के जेक वाइटमैन 3ः34.12 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे और खिताब से चूक गए, जबकि केन्या के रेनॉल्ड चेरुइयोट ने 3ः34.25 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

यह जीत नादेर का पहला वैश्विक खिताब है, जो 26 वर्षीय खिलाड़ी के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन विश्व इंडोर चैंपियनशिप में दो बार शीर्ष आठ में स्थान हासिल करना था।

केन्या की फेथ चेरोटिच ने बुधवार को यहां विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शानदार जीत हासिल की।

2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप और 2024 पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता चेरोटिच ने 8 मिनट 51.59 सेकंड का चैंपियनशिप रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

गत चैंपियन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बहरीन की विनफ्रेड यावी ने 8ः56.46 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि इथियोपिया के सेम्बो अल्मायू ने 8ः58.86 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता।

इस बीच, पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में, गत चैंपियन नीरज चोपड़ा और पेरिस ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम ने अलग-अलग शैलियों में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप नीरज चोपड़ा ने पहले ही प्रयास में फाइनल के लिए किया क्वालीफाई

टोक्यो, एजेंसी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वालीफाइंग राउंड के अपने पहले ही प्रयास में आवश्यक क्वालीफाइंग मार्क हासिल कर लिया।

नीरज चोपड़ा ने अपने पहले ही प्रयास में 84.85 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल के लिए क्वालीफाइंग मार्क 84.50 मीटर निर्धारित की गई थी।

यह लगातार पांचवां मौका था, जब चोपड़ा को फाइनल में क्वालीफाई करने के लिए सिर्फ एक प्रयास की आवश्यकता पड़ी। 2020 टोक्यो ओलंपिक, 2022 और 2023 विश्व चैंपियनशिप, 2024 पेरिस ओलंपिक के फाइनल में भी चोपड़ा ने पहले प्रयास में ही जगह बनाई थी।

जर्मनी के जूलियन वेबर ने दूसरे प्रयास में फाइनल में जगह बनाई। पहले प्रयास में वेबर ने 82.29 मीटर दूर थ्रो फेंका था। दूसरे प्रयास में 87.21 मीटर थ्रो फेंक वह फाइनल में पहुंचे।

2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा गुरुवार को 2023 में बुडापेस्ट में जीते गए विश्व खिताब का बचाव करेंगे। हरियाणा के 27 वर्षीय इस

खिलाड़ी ने दो साल पहले बुडापेस्ट में 88.17 मीटर के थ्रो के साथ एथलेटिक्स में भारत के पहले विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया था। उस अवसर पर पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 87.82 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक जीता था।

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में नीरज को अरशद नदीम ने 92.97 मीटर लंबा थ्रो फेंक पछाड़ दिया था और गोल्ड जीता था।

दूसरे वनडे में भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से हराया

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यादविन्द्र सिंह पीसीए स्टेडियम में खेले तीन वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को 102 रन से हराकर सीरीज में बराबरी कर ली है। भारत की जीत में सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के तूफानी शतक की अहम भूमिका रही। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 49.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 292 रन बनाए थे। भारत के सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक लगाया। मंधाना के 91 गेंदों पर 4 छक्के और 14 चौके की मदद से बनाए 117 रन की पारी खेली। उन्होंने अपना शतक महज 77 गेंद पर पूरा किया। भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे तेज वनडे शतक है। सबसे तेज वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी मंधाना के नाम ही है। इस साल की शुरुआत में उन्होंने 70 गेंदों पर शतक लगाया था। मंधाना के वनडे करियर का यह 12वां शतक था। मंधाना के अलावा दीप्ति शर्मा ने 40, विकेटकीपर ऋचा घोष ने 29, प्रतिका रावल ने 25 और स्नेह राणा ने 24 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए डॉर्सी ब्राउन ने 8 ओवर में 42 रन देकर 3 विकेट लिए। एश्ले गार्डनर ने 2, मेगान स्कट, एनाबेल सदरलैंड, ताहिला मैक्ग्रा ने 1-1 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने 8 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

पैरालंपिक मेडलिस्ट होकातो सेमा ने साधा इंडियनऑइन वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 51 मीटर से आगे रहेन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पैरा एथलीट होकातो होतोज़े सेमा इंडियनऑइल नई दिल्ली 2025 वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अपने घरेलू मैदान पर दमदार वापसी करने जा रहे हैं। इस बार उन्होंने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ थ्रो 14.88 मीटर से भी आगे निकलने का लक्ष्य साधा है। पेरिस 2024 पैरा ओलंपिक में ब्रॉन्ज और 2022 एशियन पैरा गेम्स में सिल्वर जीत चुके इस पैरा शॉट पुट खिलाड़ी ने एक बार फिर ऊँचाई छूने की ठानी है।

होकातो की कामयाबी धीरे-धीरे बनाई गई मेहनत की कहानी है। 2023 नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उन्होंने 13.72 मीटर का थ्रो कर अपने करियर को नई दिशा दी। इसके बाद 2024 एशियन पैरा गेम्स में 14.30 मीटर थ्रो के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पेरिस 2024 पैरा ओलंपिक में 14.65 मीटर का शानदार थ्रो कर भारत को ब्रॉन्ज दिलाया और फिर बेंगलुरु में हुए इंडियन ओपन में 14.88 मीटर थ्रो के माध्यम से अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। आज वे देश के सबसे प्रेरणादायी पैरा एथलीट्स में गिने जाते हैं।

अपनी तैयारी और सफर पर बोलते हुए होकातो ने कहा, पैर खोने के बाद मैं अपना स्टंप छुपाता था, क्योंकि मुझे शर्म आती

थी। अब मैं शॉर्ट्स पहनकर हर जगह जाता हूँ। लोग घूरते हैं, तो मैं उन्हें घूरने देता हूँ। मैंने सारी ऊर्जा ट्रेनिंग में लगाई है। हर दिन घंटों मेहनत करता हूँ। ताकत बढ़ाने और तकनीक सुधारने के लिए काम करता हूँ। मैं तब तक प्रैक्टिस करता रहता हूँ, जब तक सब कुछ परफेक्ट न लगने लगे। उन्होंने आगे कहा, ÷रिकॉर्ड तोड़ना सिर्फ ताकत का खेल नहीं है, इसमें धैर्य, सटीकता और अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का जज़्बा चाहिए। हर सुबह जब मैं ट्रेनिंग के लिए जाता हूँ, तो मेरा एक ही लक्ष्य होता है, दिल्ली में होने वाली इंडियनऑइल वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 15 मीटर की दूरी को पार करना।

पंजाब के युवा क्रिकेटर को ब्रेन ट्यूमर, इलाज के लिए 70 लाख की जरूरत; पूर्व क्रिकेटर हरभजन ने BCCI-लोगों से मांगी मदद

जालंधर, एजेंसी । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने बीमार चल रहे क्रिकेटर के लिए मदद की गुहार लगाई है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने बीमार चल रहे क्रिकेटर के लिए मदद की गुहार लगाई है। पंजाब के युवा क्रिकेटर वशिष्ठ मेहरा इस समय जिंदगी की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं। 21 साल के वशिष्ठ मेहरा को स्टेज 4 ब्रेन ट्यूमर की गंभीर बीमारी का सामना करना पड़ रहा है। उनका इलाज चेन्नई के अपोलो अस्पताल में होना है, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 70 लाख रुपए बताई जा रही है। वशिष्ठ मेहरा ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत जूनियर स्तर से की थी। वे 2019 से लगातार पंजाब की ओर से विनोद मांकड़ ट्रॉफी, कूच बिहार ट्रॉफी और कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी जैसे अहम टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेते रहे हैं। उन्होंने पंजाब के लिए करीब 20 जूनियर मैच खेले और अमृतसर की ओर से जिला टूर्नामेंट्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में उन्होंने मोहाली में त्रिपुरा के खिलाफ पंजाब की ओर से अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। मिली जानकारी के अनुसार वशिष्ठ मेहरा का जन्म नवंबर 2003 में हुआ था। वह मूल रूप से पंजाब के अमृतसर का रहने वाला है और मोहाली में प्रैक्टिस करता था। वशिष्ठ मेहरा राइट हैंड बल्लेबाज और राइट आर्म मीडियम तेज गेंदबाज है। साल 2024 में उसने पंजाब टीम की ओर से अपना डेब्यू किया था।

एशिया कप: भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले पाक कप्तान की टीम से अपील , मिडिल ओवर्स पर दें ध्यान

दुबई, एजेंसी। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने 21 सितंबर को भारत के खिलाफ होने वाले एशिया कप सुपर फोर मुकाबले से पहले अपनी टीम से मिडिल ओवर में बल्लेबाजी को और मजबूत करने की अपील की है। उनका यह बयान यूएई के खिलाफ 41 रनों की जीत के बाद आया है। इस जीत के साथ ही पाकिस्तानी टीम टूर्नामेंट के अगले दौर में पहुंच गई, लेकिन टीम की बल्लेबाजी की कमजोरियां छुप नहीं पाई।

मैच के बाद आगा ने कहा, ÷हमने काम तो पूरा किया, लेकिन मिडिल ओवर में हमें बेहतर बल्लेबाजी करनी थी। गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हम अभी अपनी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी नहीं कर पाए हैं। अगर हम अच्छा खेलते, तो 170-180 रन बना सकते थे। शाहीन एक मैच विनर हैं, उनकी बल्लेबाजी में सुधार हुआ है। अबरार शानदार रहे हैं, वह हमें खेल में वापस ला रहे हैं। हम किसी भी चुनौती के लिए तैयार हैं। अगर हम अच्छा क्रिकेट खेलें, तो किसी भी टीम के खिलाफ मजबूत हो सकते हैं।

पाकिस्तान ने यूएई के खिलाफ 146/9 रन बनाए, जिसमें शाहीन शाह अफरीदी ने 14 गेंदों में नाबाद 29 रनों की पारी खेलकर स्कोर को सम्मानजनक बनाया। हालांकि, टॉप और मिडिल ऑर्डर एक बार फिर नाकाम रहा। सईम अयूब तीन मैचों में खाता नहीं खोल सके, जबकि आगा भी मिडिल ओवर में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। कप्तान ने जोर देकर कहा कि 7 से 15 ओवरों के बीच बल्लेबाजी को मजबूत करना महत्वपूर्ण है, जो बार-बार उनकी टीम को कम स्कोर तक सीमित कर रहा है। उन्होंने कहा, हां, हम किसी भी चुनौती के लिए तैयार हैं। हम बस अच्छा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जैसा हम पिछले कुछ महीनों से खेल रहे हैं।÷

भारत के खिलाफ होने वाला अगला मैच काफी दिलचस्प होने वाला है। ग्रुप स्टेज में दोनों टीमों के बीच हुए पिछले मुकाबले में भारत ने सात विकेट से जीत हासिल की थी, लेकिन मैच के बाद भारतीय टीम द्वारा हाथ न मिलाने की घटना ने सुर्खियां बटोरीं।

यह विवाद इस साल पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े राजनीतिक तनावों से जोड़ा गया। नो-हैंडशेक विवाद ने पहले से ही कड़े मुकाबले को और हवा दी है। अब जब दोनों टीमें सुपर फोर में हैं, तो मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच होगा चित्रकूट का दीपावली मेला, आवश्यक व्यवस्थाओं के लिये कलेक्टर ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में आगामी दीपावली मेला 18 अक्टूबर से 22 अक्टूबर तक आयोजित होगा। अमावस्या मेला के दौरान चित्रकूट में देश-देशांतर से आने वाले श्रद्धालु तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में गुरूवार को चित्रकूट के नगर परिषद के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मेले की तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों को जिम्मेदारी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, अपर कलेक्टर विकास सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल धुर्वे, एसडीएम मझगवां महिपाल सिंह गुर्जर, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी, डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी बीआर सिंह, पीएचई श्वेतांक चौरसिया, एसडीओपी राजेश सिंह बंजारे, सीएमओ अंकित सोनी, सीईओ जनपद सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

चित्रकूट अमावस्या मेले की व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए समय रहते सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था, प्रकाश, पेयजल, आश्रय स्थल सहित आवागमन के मार्गों सहित भीड़ नियंत्रण के लिए ड्रॉप गेट एवं बैरिकेटिंग की व्यवस्था दुरुस्त रखें। राजस्व विभाग आश्रय स्थलों का चिन्हांकन करें एवं चित्रकूट के दार्शनिक केंद्र आवागमन, सुविधाओं को प्रदर्शित करने वाली मैप होर्डिंग भी लगवाए। नगर परिषद चित्रकूट साफ-सफाई, पेयजल, आंतरिक सड़कों की मरम्मत, कंट्रोल रुम, खोया-पाया केंद्र आदि की व्यवस्था करें।

कलेक्टर ने कहा कि मेले के दौरान संपूर्ण पेयजल व्यवस्था के लिए 'लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग' और नगर परिषद को जिम्मेदारी दी गई है। इसमें गुप्त गोदावरी और सती अनूसुइया क्षेत्र में पेयजल की सम्पूर्ण व्यवस्था लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग करेगा। विद्युत कंपनी के अधिकारी पूरे नगर परिषद क्षेत्र का भ्रमण कर लाइन और ट्रांसफार्मर चेक कर लें। कहीं भी विद्युत दुर्घटना की संभावना नहीं रहनी चाहिए। मेले के दौरान चित्रकूट क्षेत्र में सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। बैरिकेटिंग के लिए बांस बल्ली और अलावा लकड़ी की व्यवस्था 'वन विभाग' करेगा। बैरिकेटिंग और लोक निर्माण की सड़कों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी 'लोक निर्माण विभाग' की होगी। 'खाद्य विभाग' और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों से कलेक्टर ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र की दुकानों में राशन वितरण, होटलों में खान-पान की वस्तुओं की सैंपलिंग के अलावा खाने-पीने की वस्तुओं की रेट सूची प्रतिष्ठान में प्रदर्शित कराएं और खाद्य पदार्थों की बिक्री तय कीमत पर सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने कहा कि परिक्रमा पथ में सभी बिजली की तारे और सप्लाई कनेक्शन अंडर ग्राउण्ड कर दी गई है। भरत घाट से गौरिहार मंदिर से प्रमुख द्वार तक बिजली के तारों और खंभों को 10 फीट ऊंचाई तक प्लास्टिक पीबीसी पाइप से कवर कराये। चित्रकूट में कुल 5 मार्गो से वाहनों की आवाजाही होगी। बसों और चार पहिया वाहनों तथा दो पहिया वाहनों की पार्किंग की सुव्यवस्थित जगह देखकर पार्किंग स्थल बनाये।

कलेक्टर ने कहा कि संपूर्ण मेला क्षेत्र में प्रकाश की समुचित व्यवस्था रहे। नदी के घाटों में पर्याप्त गोताखोर और बचाव सामग्री के साथ होमगार्ड और एसडीआरएफकी टीम भी तैनात रहेंगी। नाविकों से भी कहा गया है कि नाव में क्षमता से अधिक सवारी नहीं बैठायें। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। डीएसपी ट्रैफिक ने पूरे नगर परिषद क्षेत्र चित्रकूट में की जाने वाली पार्किंग व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी। बैठक में पानी वाले नारियल से होने वाली फिसलन और अगरबत्ती और धूपबत्ती के नियंत्रण के संबंध में चर्चा की गई तथा प्रसाद दुकानदारों को इस संबंध में प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया गया।

स्वच्छता ही सेवा रैली को महापौर एवं नगर पालिक निगम सतना स्पीकर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। यह रैली उत्साहपूर्वक नगर पालिक निगम परिसर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड स्थित टाउन हॉल में समाप्त हुई। इस रैली का उद्देश्य स्वच्छता के 3R- Reduce, Reuse, Recycle and Refuse के प्रति आमजन की जागरूकता को बढ़ाना था। महापौर ने सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। रैली के अंत में, स्पीकर महोदय ने सभी का आभार व्यक्त किया, जिसके बाद जलपान का आयोजन किया गया और कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस कार्यक्रम में समाजसेवी मनीषा सिंह, आयुषी तिवारी, नारायण तिवारी, सत्यम मिश्रा, उपायुक्त नगर पालिक निगम सतना के साथ बड़ी संख्या में निगम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की जन्म स्थली को संरक्षित करने का अभियान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की जन्मस्थली मनकहरी गढ़ी, जो अब खंडहर हो चुकी है, को पुनर्जीवित करने के लिए क्षेत्रवासियों ने एकजुटता दिखाई है। इसके लिए बाबा अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह सेवा संगठन का गठन किया गया है। संगठन के पदाधिकारियों द्वारा चलाया जा रहा सदस्यता अभियान तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। 1857 की क्रांति के महानायक ठाकुर रणमत सिंह की विरासत को संरक्षित करने के लिए लगातार बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में जन्मस्थली को संरक्षित करने के लिए आवश्यक राशि पर चर्चा की जा रही है।

संगठन ने प्रति सदस्य की सदस्यता शुल्क 100 निर्धारित की है। पदाधिकारी घर-घर जाकर लोगों से मिलकर संगठन की सदस्यता दिला रहे हैं, जिससे लोग आसानी से इस अभियान से जुड़ रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से आवश्यक धनराशि एकत्रित की जाएगी, जिससे अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की जन्मस्थली को संरक्षित किया जा सके। क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक और अन्य संगठनों के लोग भी इस मुहिम में शामिल हो रहे हैं और मदद कर रहे हैं।

मातृछाया में सेवा देकर जायन्ट्स ग्रुप का सेवा सप्ताह प्रारंभ

डॉक्टर दीपक सोई के नेतृत्व में सेवा सप्ताह में होंगे अनेक सेवा कार्य

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जायन्ट्स ग्रुप स्मार्ट सिटी हर वर्ष सितंबर माह को सेवा सप्ताह के रूप में मनाता है, जिसमें पीड़ित मानवता की सेवा के साथ-साथ अनेक सेवा कार्य किए जाते हैं। यह सप्ताह सेवा सप्ताह परोपकार के नाम से जाना जाता है। संस्था की सचिव सुनीता सचदेवा ने जानकारी देते हुए बताया कि सेवा सप्ताह की शुरुआत 17 सितंबर बुधवार को मातृछाया में शिशुओं के लिए मिल्क पाउडर, नेपकिन, और तौलिए देकर की गई। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों की सहायता करना है।

उसी कड़ी में 18 सितंबर गुरुवार को राखी होतचंदानी के आतिथ्य में दिव्यांग बच्चों को शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम बच्चों के लिए शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। सचदेवा ने आगे बताया कि 19 सितंबर शुक्रवार को प्रातः 9.30 बजे कार्यक्रम संयोजक रेशमा दूसेजा के सानिध्य में सवी रसोई में अन्नदान किया जाएगा। यह कार्यक्रम भूखे लोगों के लिए भोजन उपलब्ध कराने का एक प्रयास है। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. दीपक सोई, डॉक्टर मनीष सोई, मोना चोपड़ा, राखी होतचंदानी, विनोद गेलानी, रेशमा दूसेजा, रंजीत सेनानी, सुनीता सचदेवा, प्रियांशु सचदेव, सरिता सिंह, राजीव जी और कई सम्माननीय गण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वृहद स्कूल नेत्र परीक्षण अभियान स्वस्थ दृष्टि - उज्ज्वल भविष्य की हुई शुरुआत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। परम पूज्य संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा स्थापित श्री सदगुरू सेवा संघ ट्रस्ट अंतर्गत द्वारा संचालित श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में समूचे विश्व में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। देश से अंधत्व कम करने के लिए समय समय पर श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट द्वारा तमाम तरह के अभियान चलाकर एवं देश के कोने कोने में जिला प्रशासन के साथ एवं अंधत्व निवारण पर काम कर रहे तमाम सेवा फाउंडेशनों, एन जी ओ के साथ मिलकर काम करता है।जिसके चलते भगवान भोलेनाथ की नगरी वाराणसी ज़िले में बच्चों के लिए वृहद स्कूल नेत्र परीक्षण अभियान स्वस्थ दृष्टि – उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत हुई। इस पहल का शुभारंभ राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज, लहुराबीर, काशी विद्यापीठ में किया गया। यह कार्यक्रम पूरी तरह से पीक विजन सॉफ्टवेयर पर आधारित है. जो वर्ष 2017 से भारत में बच्चों की नेत्र देखभाल के क्षेत्र में कार्यरत है। स्मार्टफोन-आधारित इस तकनीक की विशेषता है कि यह तेज़, सटीक जाँच के साथ-साथ रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिमांशु नागपाल, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), वाराणसी ने की। इस अवसर पर डॉ. संदीप चौधरी, मुख्य चिकित्साधिकारी, सुमित कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य, विभिन्न ब्लॉक प्रमुख एवं विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। यह अभियान पीक विजन, सेवा फाउंडेशन, सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट एवं जिला प्रशासन, वाराणसी के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट वर्ष 1950 से मध्य भारत में उच्च गुणवत्ता पूर्ण नेत्र सेवाएं निरंतर प्रदान कर रहा है।

मंगल भवन बनाने का रास्ता साफ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोठी नगर परिषद अंतर्गत पिछले दिनों मंगल भवन बनाए जाने का प्रस्ताव पास हुआ है, और अब इस पर काम शुरू होने वाला है। इसके लिए रास्ते के सभी कांटे साफ कर दिए गए हैं। कोठी वार्ड क्रमांक एक में मंगल भवन का निर्माण कराया जाना है, लेकिन वहां पहले सिंचाई विभाग का कार्यालय था और बगल में एक पुराना छात्रावास भी स्थित था, जो खंडहर में तब्दील हो चुका है।

हालांकि, छात्रावास के एक हिस्से में एक आदिवासी परिवार रह रहा था, जिससे निर्माण में दिक्कत आ रही थी। आज उस दिक्कत को दूर करने का प्रयास किया गया। आवश्यक 100 फीट चौड़ाई की जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। सिंचाई विभाग की बिल्डिंग पहले ही कलेक्टर महोदय की मौजूदगी में गिरा दी गई थी, लेकिन जगह कम पड़ रही थी, जिससे छात्रावास का कुछ हिस्सा लेना पड़ा।

कोठी नगर परिषद के सीएमओ संजय सिंह ने बताया कि आज उनकी टीम और कोठी थाना प्रभारी की मौजूदगी में जेसीबी मशीन के द्वारा छात्रावास के आधे हिस्से को गिराकर मंगल भवन निर्माण के लिए आवश्यक जमीन को खाली कराया गया। हालांकि, अभी भी छात्रावास के आधे हिस्से में आदिवासी परिवार रह रहा है, जिसे जल्द दूसरी जगह शिफ्ट करवाकर उस हिस्से को भी खाली कराया जाएगा। बरसात के कारण काम में रुकावट है, लेकिन बरसात खत्म होते ही इसे भी खाली करवा लिया जाएगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि इस पर निर्माण कार्य कब शुरू होता है।

बैंक कर्मचारियों ने पिता-पुत्र पर खौलता पानी फेंका, झुलसे

ईएमआई नहीं भरने पर गालियां दी, घर में घुसकर धमकाया और पीटा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के नागौद थाना क्षेत्र में किस्त वसूली को लेकर हुए विवाद में फाइनेंस बैंक के कर्मचारियों ने पिता-पुत्र पर खौलता पानी फेंक दिया। इस घटना में राजेंद्र प्रसाद सोनी(63) और उनके बेटे निशांत सोनी गंभीर रूप से झुलस गए। यह घटना गुरुवार सुबह गढ़ी टोला वार्ड नंबर-6 में हुई। फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले निशांत सोनी ने जना स्मॉल बैंक फाइनेंस से समूह के माध्यम से 75 हजार रुपए का लोन लिया था। उन्हें हर महीने 4,100 रुपए की किस्त चुकानी थी। सितंबर माह की किस्त जमा नहीं हो पाई थी, जिसके बाद बैंक कर्मचारी लगातार फोन कर रहे थे।

बातचीत जल्द ही विवाद में बदल गई: गुरुवार को रिकवरी के लिए बैंक कर्मचारी सानिया सिंह परिहार और हर्ष पांडेय निशांत के घर पहुंचे थे। घर पर हुई बातचीत जल्द ही विवाद में बदल गई। गाली-गलौज के साथ मारपीट शुरू हो गई। राजेंद्र सोनी नागौद के गांधी चौक में समोसा आलूबड़े का ठेला लगाते हैं। विवाद के दौरान घर पर आलू उबालने गर्म पानी रखा था, जिसे उठा कर बैंक कर्मचारियों ने पिता-पुत्र के ऊपर फेंक दिया। इससे वे बुरी तरह झुलस गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस ने कर्मचारियों पर दर्ज की एफआईआर: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपियों सानिया सिंह परिहार और हर्ष पांडेय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2), 118(1), 351(2) और 3(5) के तहत केस दर्ज कर लिया है।

पीड़ित बोला- नौकरी चली गई, बीमार पड़ गया: पीड़ित राजेंद्र सोनी ने बताया कि उनका बेटा निशांत सोने-चांदी के आभूषण बनाने का कारीगर है। एक दुकान में नौकरी करता था। 9 महीने पहले उसने अपना कारोबार शुरू करने के लिए जना स्माल फाइनेंस बैंक से 75000 रुपए का लोन ले लिया था। लेकिन उसका कारोबार नहीं चला। इसी बीच एक माह पहले उसकी नौकरी भी चली गई और बीमार भी हो गया। लिहाजा सिर्फ एक माह की किश्त वह नहीं जमा कर पाया था।

राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस युवा कांग्रेस द्वारा मनाया गया गल्ला मंडी नागौद में

मीडिया ऑडीटर, नागौद (निप्र)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर नागौद विधानसभा युवा कांग्रेस नेता सतेंद्र कुशवाहा एवं रैगांव विधानसभा युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा के द्वारा गल्ला मंडी नागौद ठेले में समोसे, पकोड़े तल कर एवं सब्जी बेचकर सभी युवा कांग्रेस के साथियों के साथ राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मनाया गया जिसमे मुख्य रूप नागौद विधानसभा युवक कांग्रेस नेता सतेन्द्र कुशवाहा

सत्तू भैया, रैगांव विधानसभा पूर्व युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा मीडिया प्रभारी कांग्रेस कमेटी नागौद, अंबर कुशवाहा, आदि कुशवाहा, संत कुशवाहा, जाहिद खान, सतेन्द्र सोनी, हिमांशु कुशवाहा, अतुल नामदेव, राहुल नामदेव आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत परीक्षण शिविर में शामिल हुई राज्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय वयोश्री योजनांतर्गत वरिष्ठजनों को लाभांवित करने के लिए परीक्षण शिविर का आयोजन गुरूवार को टाउन हाल में समारोहपूर्वक किया गया। मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने इस अवसर पर कहा कि योजना के माध्यम से वृद्धजन साथियों को चलने-फिरने, सुनने, देखने और दैनिक जीवन में सहायक उपकरण प्रदान किए जाते हैं। जिससे वे अपने जीवन को और अधिक सहज व सम्मानजनक तरीके से जी सकें। राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही यह पहल न केवल सेवा भाव को दर्शाती है। बल्कि समाज में वरिष्ठ जनों के प्रति कृतज्ञता और आदर का प्रतीक भी है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों का आशीर्वाद ही समाज की असली पूंजी है और राष्ट्रीय वयोश्री योजना उनके जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भरने का कार्य कर रही है। वरिष्ठ नागरिकों की सेवा और सम्मान ही हमारे संस्कारों की पहचान है।

महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में प्रारंभ की गई इस जन कल्याणकारी योजना का उद्देश्य, गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे वरिष्ठ नागरिकों की शारीरिक अक्षमता को दूर कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस परीक्षण शिविर से हमारे बड़े-बुजुर्गों को जीवन को सरल और सहज बनाने में नई दिशा मिलेगी तथा वे बड़ी संख्या में लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, वार्ड क्रमांक 12 की पार्षद मायादेवी कोल, श्याम बिहारी शुक्ला सहित गणमान्य जन तथा बडी संख्या में दिव्यांगजन उपस्थित रहे।

मुख्तियारगंज में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम, विद्यालय में गूंजे; स्वच्छता ही सेवा है के नारे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में स्वच्छता ही सेवा एवं नशा मुक्त भारत अभियान के तहत इंजी.धर्मेंद्र सिंह द्वारा पायनियर ग्लोबल स्कूल मुख्तियारगंज सतना में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता के सभी पहलुओं एवं बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई, साथ ही नशे से होने वाले दुष्परिणामों पर भी चर्चा हुई। स्वच्छ सर्वेक्षण में सतना को जिताने हेतु हर गली में स्वच्छता की अलख जगाने का सभी उपस्थित जनों ने संकल्प लिया, साथ ही नशा मुक्त समाज, भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज के प्रयास का सभी ने संकल्प लिया। इंजी.धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रजातांत्रिक देश में आप सब का, हम सब का शासन है!हमारे देश में हर जाति हर धर्म का एक बराबर मान एक बराबर सम्मान है, हम सबको अपनी जिम्मेदारी समझना चाहिए तथा देश की उत्तरोत्तर तरक्की में बढ़-चढ़कर सबको हिस्सा लेना चाहिए।

कार्यक्रम में राजीव सिंह(डायरेक्टर), मीना द्विवेदी (प्रधानाचार्य), मोनिका सिंह, रोहन सिंह, पंकज गुप्ता, वंदना सिंह, अनीता शर्मा, दिव्या मिश्रा, राधिका त्रिपाठी, पुष्पा पांडे, श्रुति सिंह, प्रीति गुप्ता, भारती सिंह, ममता रजक, गोमती कुशवाहा तथा सभी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में इंजी.धर्मेंद्र सिंह ने सभी को नशा मुक्ति की एवं स्वच्छता की तथा उपस्थित मतदाताओं को मतदाता शपथ दिलवाई तथा प्रधानाचार्य मीना द्विवेदी ने धर्मेंद्र सिंह को बहुमूल्य जानकारियों के लिए धन्यवाद दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।